सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस को मिली पहली जीत पेज: 7

सोशल मीडिया को सिर्फ फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 273 | सोमवार 12 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

ठाणे में पानी की किल्लत, कूड़ाघरों की कमी और अन्य समस्याएं आज भी जस की तसः सुप्रिया सुले

ठाणे एजेंसी: राकांपा (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने राज्य में सत्तारूढ़ महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भले ही ठाणे को एक सभ्य शहर के रूप में पेश किया जा रहा हो, लेकिन पानी की किल्लत, कूड़ाघरों की कमी और अन्य समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं। नगर निकाय चुनावों से पहले शनिवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उबाठा) के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सुले ने ठाणे के विकास के लिए बड़े पैमाने पर धनराशि मंजूर किए जाने के सरकारी दावों पर सवाल उठाए। इस मौके पर राकांपा (एसपी) के विधायक जितेंद्र आव्हाड, पार्टी की ठाणे शहर इकाई के अध्यक्ष मनोज प्रधान, अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद थे। सुले ने कहा कि ठाणे कभी एक छोटा शहर था

पीएम मोदी ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का किया उद्घाटन, कहा- यह समिट ग्लोबल ग्रोथ का बड़ा उदाहरण

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गुजरात के राजकोट में मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ह्यजब वाइब्रेंट गुजरात समिट का मंच सजता है, तो मुझे यह सिर्फ समिट नहीं दिखती। मुझे यह 21वीं सदी के आधुनिक भारत की वह यात्रा नजर आती है, जो एक सपने से शुरू हुई और आज एक अटूट भरोसे तक पहुंच चुकी है पीएम मोदी ने कहा कि दो दशकों में वाइब्रेंट गुजरात की यह यात्रा ग्लोबल बेंचमार्क बन गई है। वाइब्रेंट गुजरात समिट के विजन के साथ मैं पहले दिन से जुड़ा रहा हूं। सोमनाथ दादा के चरणों में सिर झुकाकर यह सफर शुरू हुआ है। मुझे वाइब्रेंट समिट में

कोई समिट नहीं दिख रहा है। अब वाइब्रेंट समिट आगे बढ़ गया है। इसके 10 एडिशन हो चुके हैं। ग्लोबल पार्टनर्स की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह समिट ग्लोबल ग्रोथ का एक बड़ा उदाहरण बन गया है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल ग्रोथ पार्टनरशिप का एक प्लेटफॉर्म बन गया है। अब वाइब्रेंट समिट इन्वेस्टमेंट से आगे बढ़ गया है। गुजरात का मतलब डेवलपमेंट के साथ-साथ हेरिटेज भी है। पिछले दो दशकों में वाइब्रेंट समिट में बहुत कुछ नया हुआ है। यह समिट पोटेंशियल को रियलिटी में बदलता है। पीएम मोदी ने कहा कि हम संभावनाओं पर फोकस करके आगे बढ़ रहे हैं। गुजरात में कोऑपरेटिव सेक्टर भी

हम हर सेक्टर की संभावनाओं को ध्यान में.........

पीएम मोदी ने कहा कि हम संभावनाओं पर फोकस करके आगे बढ़ रहे हैं। गुजरात में कोऑपरेटिव सेक्टर भी एक्टिव है। हम हर सेक्टर की संभावनाओं को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी बनने की ओर बढ़ रहा है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग देश है।

एक्टिव है। हम हर सेक्टर की संभावनाओं को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी बनने की ओर बढ़ रहा है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग देश है। आज भारत के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम है। भारत ने पिछले कुछ सालों में बहुत तरक्की की है। आज ग्लोबल इंस्टीट्यूशन भारत को लेकर बुलिश हैं। आईएमएफ भारत को ग्लोबल ग्रोथ के इंजन के तौर पर दिखाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत से दुनिया की उम्मीदें बढ़ रही हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। इंफ्लेशन काबू में है। एग्रीकल्चर प्रोडक्शन में नए रिकॉर्ड बना रहा है। मिल्क प्रोडक्शन में नंबर वन है। जेनेरिक मेडिसिन प्रोडक्शन में नंबर वन है। दुनिया में जो सबसे ज्यादा वैक्सीन बनाता है, वो भारत है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि सौराष्ट्र और कच्छ गुजरात के वो इलाके हैं जो हमें सिखाते हैं कि चुनौती कितनी भी बड़ी क्यों न हो, अगर आप ईमानदारी और मेहनत से काम करते हैं, तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। इसी कच्छ ने भूकंप देखे हैं। सौराष्ट्र में सूखा पड़ा था। लोगों को पानी के लिए किलोमीटरों दूर जाना पड़ता था। हर तरफ मुश्किलें थीं। आज युवाओं ने सिर्फ. उस समय की कहानियां सुनी हैं। लोग कच्छ और सौराष्ट्र में ज्यादा समय तक रहने को तैयार नहीं थे। लेकिन, इतिहास गवाह है और समय बदलता है। सौराष्ट्र और कच्छ के लोग मेहनत से अपनी किस्मत बदलते हैं।

अमित शाह का केरल में 'मिशन 2026' का शंखनाद, बोले- एलडीएफ-यूडीएफ का खेल अब खत्म होगा

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केरल में स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का लक्ष्य साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि केरल में बीजेपी का सफर आसान नहीं था, लेकिन समर्पित कार्यकताओं के दम पर पार्टी ने आज एक मजबूत पहचान बनाई है। शाह ने स्पष्ट किया कि बीजेपी का अंतिम लक्ष्य केवल जीत नहीं, बल्कि केरल में अपनी सरकार बनाना और भाजपा का मुख्यमंत्री लाना है। शाह ने केरल की मौजूदा राजनीति पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य इस वक्त एलडीएफ (यूडीएफ) और यूडीएफ (यूडीएफ) की 'मिलीभगत' के

कारण ठहराव के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों पार्टियों ने बारी-बारी से सत्ता में आकर भ्रष्टाचार करने का गुप्त समझौता कर लिया है। उनके अनुसार, केरल का भविष्य इन दोनों के साथ सुरक्षित नहीं है, क्योंकि वे राज्य की परंपराओं और विकास की रक्षा करने में विफल रहे हैं। शाह ने सुरक्षित केरल का वादा अमित शाह ने पार्टी की बढ़ती ताकत के आंकड़े पेश करते हुए बताया कि 2014 में बीजेपी का वोट शेयर 11% था, जो 2019 में 16% और 2024 में बढ़कर 20% के पार पहुंच गया है। उन्होंने कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि जिस तरह पार्टी ने दो सीटों से शुरू करके केंद्र में तीसरी बार सरकार बनाई और असम जैसे राज्यों में जीत हासिल की, वही इतिहास केरल में भी दोहराया जाएगा। एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना गृह मंत्री ने एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल वोटबैंक की राजनीति के कारण पीएफआई और एसडीपीआई जैसे संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने से डरते हैं। उन्होंने कहा कि केवल बीजेपी ही केरल को ऐसी राष्ट्रविरोधी ताकतों से बचा सकती है। शाह ने तीन तलाक कानून का उदाहरण देते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने तुष्टीकरण की नीति के तहत इसका विरोध किया, जबकि बीजेपी 'सभी के लिए न्याय, किसी का तुष्टीकरण नहीं' के सिद्धांत पर चलती है।

'हिजाब' पर फिर गरमाई सियासत, पीएम पद को लेकर ओवैसी-हिमंत शर्मा में तीखी जंग

नई दिल्ली एजेंसी: एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के एक बयान ने देश में नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। ओवैसी ने इच्छा जताई कि वे एक दिन हिजाब पहनने वाली महिला को भारत के प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। इस बयान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पलटवार करते हुए कहा कि भारत का प्रधानमंत्री 'हमेशा एक हिंदू ही होगा', जिसके बाद दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। ओवैसी ने क्या कहा था? यह विवाद तब शुरू हुआ जब ओवैसी ने महाराष्ट्र के सोलापुर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संविधान में केवल एक खास धर्म के व्यक्ति को ही पीएम बनने की अनुमति है,

लेकिन बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान भारत के हर नागरिक को यह मौका देता है। उन्होंने कहा, 'मेरा सपना है कि एक दिन हिजाब पहनने वाली बेटी इस देश की प्रधानमंत्री बने।' हिमंत बिस्वा सरमा का जवाब ओवैसी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए असम के सीएम ने कहा कि भले ही संविधान किसी को भी पीएम बनने से नहीं रोकता, लेकिन भारत एक हिंदू सभ्यता है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत का प्रधानमंत्री हमेशा एक हिंदू व्यक्ति ही बनेगा। ओवैसी का पलटवार रविवार को ओवैसी ने सीएम सरमा के बयान को 'छोटी सोच' वाला बताया और उन्हें याद दिलाया कि उन्होंने संविधान की शपथ ली है। ओवैसी ने कहा कि संविधान में कहीं नहीं लिखा कि पीएम केवल हिंदू ही हो सकता है। कांग्रेस ने भी सरमा की आलोचना की इस बीच, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी सरमा की आलोचना की। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का उदाहरण देते हुए याद दिलाया कि वे एक सिख थे और 10 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे। मसूद ने कहा कि संवैधानिक पदों पर कौन बैठेगा, यह धर्म तय नहीं कर सकता। बीजेपी ने ओवैसी को घेरा बीजेपी के अन्य नेताओं ने ओवैसी पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया है। बीजेपी प्रवक्ता प्रकाश रेड्डी ने कहा कि ओवैसी जानबूझकर हिजाब का मुद्दा उठाकर तनाव बढ़ाना चाहते हैं। बीजेपी नेता आरपी सिंह ने तर्क दिया कि दुनिया भर में कई मुस्लिम महिलाएं प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बनी हैं,

केरल में कन्नड़ माध्यम के विद्यालयों में मलयालम थोपे जाने का सिद्धारमैया ने विरोध किया

कर्नाटक एजेंसी: कर्नाटक के मुख्यमंत्री एस. सिद्धरमैया ने कन्नड़ माध्यम से विद्यालयों में भी मलयालम को अनिवार्य करने के केरल सरकार के कदम का कड़ा विरोध करते हुए शनिवार को कहा कि भाषाई अल्पसंख्यकों पर कोई भी जबरदस्ती नहीं थोपी जा सकती। मंगलुरु नगर के पास पिलिकुला निसर्ग धाम में संवाददाताओं से अनौपचारिक बातचीत में सिद्धरमैया ने कहा कि यद्यपि एक राज्य की विधायिका कानून पारित कर सकती है, इसे लागू करने में संवैधानिक सुरक्षा और भाषाई विविधता का सम्मान करना आवश्यक है। उन्होंने कहा, केरल सरकार ने एक कानून पारित किया होगा, लेकिन उसे इस तरह से लागू नहीं किया जा सकता। आप भाषाई अल्पसंख्यकों पर एक जबरदस्ती थोप नहीं सकते। यह स्वीकार्य नहीं है कि अन्य मातृ भाषाएं बोलने वाले लोगों के केवल मलयालम सीखने पर जोर दिया जाए। सिद्धरमैया ने चेतावनी दी कि यदि केरल के

राज्यपाल प्रस्तावित कानून को सहमति प्रदान करते हैं और यह लागू होता है तो कर्नाटक इस मुद्दे को आगे ले जाने के लिए विवश होग। और यदि यह कानून बनता है तो यह स्थिति हमें विरोध प्रदर्शन करने के लिए बाध्य करेगी। केंद्र सरकार और राष्ट्रपति से भी अपील की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह बात रेखांकित की कि भारत का संघीय ढांचा और संवैधानिक रूपरेखा, भाषाई अल्पसंख्यकों की विशेषकर उन सीमावर्ती क्षेत्रों में रक्षा करती है जहां समुदायों ने अपनी और संस्कृति को ऐतिहासिक रूप से संरक्षित रखा है तथा इन सुरक्षा को हल्का करने का कोई भी प्रयास एक खतरनाक मिसाल कायम करेगा। मुख्यमंत्री की ये टिप्पणियां दक्षिण भारत में, विशेषकर भाषाई सीमाओं से सटे राज्यों में, अधिकारों और शिक्षा नीति पर बढ़ते राजनीतिक ध्यान के बीच आई हैं। अन्य प्रशासनिक मामलों पर किए गए सवालों का जवाब देते हुए सिद्धरमैया ने कहा कि कर्नाटक सरकार उन तीन कानूनों पर स्पष्टीकरण देगी जो वर्तमान में राज्यपाल की सहमति के लिए लंबित हैं। उन्होंने उन विधेयकों का नाम लिए बगैर कहा, राज्यपाल ने कुछ स्पष्टीकरण मांगे हैं। सरकार आवश्यक स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में है।

ओवैसी के 'हिजाब वाली पीएम' वाले बयान पर छिड़ा विवाद, जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने दिया जवाब

नई दिल्ली एजेंसी: एआई एम आईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के 'हिजाब वाली प्रधानमंत्री' वाले बयान पर राजनीतिक और धार्मिक गलियारों में बहस तेज हो गई है। बीजेपी के बाद अब प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ओवैसी की इस इच्छा को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया है। स्वामी रामभद्राचार्य ने ओवैसी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा, 'यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। देश ने अब्दुल कलाम को राष्ट्रपति और हामिद अंसारी को उपराष्ट्रपति बनाया, उन्हें और क्या चाहिए? ओवैसी दिन में सपने देख रहे हैं। अगर भारत में कोई महिला प्रधानमंत्री बनती है, तो वह हिजाब नहीं बल्कि साड़ी पहनेगी।' विवाद की शुरूआत कैसे हुई? यह पूरा विवाद महाराष्ट्र के सोलापुर में ओवैसी की एक चुनावी सभा के

बाद शुरू हुआ। ओवैसी ने भारत के संविधान की तारीफ करते हुए अपनी एक इच्छा जाहिर की थी। न्होंने कहा कि पाकिस्तान के संविधान में केवल एक धर्म विशेष का व्यक्ति ही प्रधानमंत्री बन सकता है, लेकिन भारत का संविधान हर नागरिक को बराबरी का हक देता है। उन्होंने कहा, 'मेरा सपना है कि एक दिन ऐसा आए जब हिजाब पहनने वाली बेटी इस देश की प्रधानमंत्री बने।' बढ़ता विरोध ओवैसी के इस बयान को बीजेपी और कई अन्य संगठनों ने 'सांप्रदायिक राजनीति' का हिस्सा बताया है। विरोधियों का कहना है

सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें अब भी सक्रिय, उन्हें हराना जरूरी: पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि आजादी के बाद गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें अब भी सक्रिय हैं और भारत को उन्हें हराने के लिए सतर्क, एकजुट तथा शक्तिशाली बने रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ का इतिहास विनाश और पराजय का नहीं, बल्कि विजय और पुनर्निर्माण का है। उन्होंने कहा कि यह समय का चक्र है जिसके तहत आततायी अब इतिहास के पन्नों में सिमट गए हैं लेकिन सोमनाथ मंदिर आज भी शान से खड़ा है। मोदी यहां आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को संबोधित कर रहे थे, जो 1026 ईस्वी में महमूद गजनी द्वारा सोमनाथ मंदिर पर किए गए आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा, नफरत, अत्याचार और आतंक का सच्चा इतिहास हमसे छिपाया गया और हमें सिखाया गया कि यह हमला मंदिर को लूटने का प्रयास था।" मोदी ने कहा कि यदि

सोमनाथ पर हमला धन-संपत्ति लूटने के लिए किया गया होता, तो पहला हमला ही काफी था लेकिन इस पर बार-बार हमले किए गए और इसके देवता का अपमान किया गया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जब सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की शपथ ली, तो उनके रास्ते में बाधाएं खड़ी की गईं। मोदी ने कहा, तुष्टीकरण में लिप्त लोगों ने चरमपंथी मानसिकता वाले लोगों के सामने घुटने टेक दिए। सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में बाधा डालने वाली ताकतें आज भी हमारे बीच मौजूद हैं। ऐसी ताकतों को हराने के लिए हमें सतर्क, एकजुट और शक्तिशाली बने रहने की जरूरत है।" प्रधानमंत्री ने कहा, सोमनाथ की कहानी भारत की कहानी है। विदेशी आततायियों ने इस मंदिर की तरह कई बार भारत को नष्ट करने की कोशिश की। आततायियों ने सोचा कि मंदिर को नष्ट करके उन्होंने जीत हासिल कर ली है लेकिन 1000 साल बाद भी सोमनाथ का झंडा शान से लहरा रहा है।" उन्होंने कहा कि विश्व के इतिहास में इन 1,000 वर्षों के संघर्ष की कोई बराबरी नहीं है।

एनसीएपी अब नाममात्र का स्वच्छ वायु कार्यक्रम बनकर रह गया है: कांग्रेस

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस ने रविवार को एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि वायु गुणवत्ता एक राष्ट्रव्यापी, संरचनात्मक संकट है जिसके लिए सरकार की प्रतिक्रिया "अत्यंत अप्रभावी और अपर्याप्त" है। विपक्षी दल ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में व्यापक सुधार की मांग की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सरकार जिस एनसीएपी को ह्यनेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम' (राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम) बताकर प्रचारित कर रही है, वह असल में एनसीएपी का ही एक और रूप यानी नोशनल क्लीन एयर प्रोग्राम है। पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कहा कि सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) द्वारा किए गए एक नए विश्लेषण ने अब इस बात की पुष्टि कर दी है कि भारत का "सबसे खराब छिपा हुआ रहस्य" यह है कि वायु गुणवत्ता एक राष्ट्रव्यापी, संरचनात्मक संकट है जिसके लिए सरकार की प्रतिक्रिया बेहद अप्रभावी और अपर्याप्त है। रमेश ने एक बयान में कहा कि उपग्रह डेटा का उपयोग करते हुए किए गए अध्ययन में पाया गया कि भारत के लगभग 44 प्रतिशत शहरों, यानी आकलन वाले 4,041 वैधानिक शहरों में से 1,787 शहर लगातार वायु प्रदूषण की गंभीर चपेट में हैं और इन शहरों में पांच वर्षों (2019-2024, 2020 को

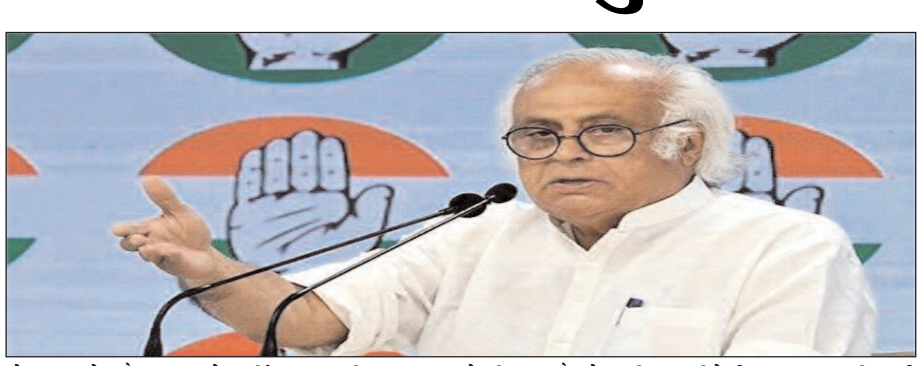

छोड़कर) के दौरान हवा में वार्षिक पीएम 2.5 का स्तर लगातार राष्ट्रीय मानकों के ऊपर बना रहा है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की अक्षमता को भी उजागर किया है। उनके मुताबिक, समस्या के विशाल पैमाने (1787 शहर) के बावजूद एनसीएपी के तहत केवल 130 शहरों को शामिल किया गया। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इन 130 शहरों में से 28 शहरों में अब भी निरंतर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन (सीएएक्यूएमएस) मौजूद नहीं हैं। रमेश ने बताया कि निगरानी अवसंरचना वाले 102 शहरों में से 100 शहरों में पीएम10 का स्तर 80 प्रतिशत या उससे अधिक पाया गया।

कांग्रेस ने रविवार को एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि वायु गुणवत्ता एक राष्ट्रव्यापी, संरचनात्मक संकट है जिसके लिए सरकार की प्रतिक्रिया "अत्यंत अप्रभावी और अपर्याप्त" है। विपक्षी दल ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में व्यापक सुधार की...

उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, एनसीएपी वर्तमान में भारत के गंभीर रूप से प्रदूषित शहरों में से केवल चार प्रतिशत शहरों को कवर करता है। उन्होंने कहा कि जिस एनसीएपी को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के रूप में प्रचारित किया जा रहा है, वह वास्तव में एक अलग ही किस्म का एनसीएपी बन गया- ह्यनोशनल स्वच्छ वायु कार्यक्रम'। कांग्रेस नेता ने कहा कि अब इसकी गहन समीक्षा, व्यापक सुधार और पुनर्गठन की सख्त जरूरत है। रमेश ने कहा, पहला कदम भारत के बड़े हिस्से में वायु प्रदूषण से जुड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट को स्वीकार करना होना चाहिए। परिणामस्वरूप, इस संकट को देखते हुए, हमें वायु प्रदूषण (नियंत्रण और रोकथाम) अधिनियम 1981 और नवंबर 2009 में लागू किए गए राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस), दोनों की फिर से समीक्षा करनी चाहिए और उनमें पूर्णतः संशोधन करना चाहिए।ह्व उन्होंने बताया कि भारतीय मानकों (एनएएक्यूएस) के अनुसार हवा में अतिसूक्ष्म कणों की स्वीकार्य मात्रा 24 घंटे में 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और सालाना 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक यह मात्रा 24 घंटे में 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से कम और साल भर में पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से कम होनी चाहिए। रमेश ने सरकार से एनसीएपी के तहत उपलब्ध कराए जाने वाले कोष में भारी वृद्धि करने का आग्रह किया।

संपादकीय

विश्व को खतरे में डालते ट्रंप

नए वर्ष का आगमन होते ही एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में अमेरिकी सेना वेनेजुएला पर हमला कर वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी समेत उठाकर अमेरिका ले आई। विश्व को हैरान करने वाली इस घटना को पहले तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति के कथित संरक्षण में चल रहे नारकोटिक्स आतंक से जोड़ा, लेकिन शीघ्र ही यह स्पष्ट हो गया कि इस हमले का मूल उद्देश्य वेनेजुएला के तेल भंडारों पर कब्जा करना था। वेनेजुएला में कच्चे तेल के सबसे अधिक भंडार हैं। ट्रंप ने जिस तरह यह कहा कि अब वेनेजुएला के तेल को अमेरिका बेचेगा और वहां की अंतरिम राष्ट्रपति को उनका सहयोग करना होगा, उससे साफ है कि अमेरिकी राष्ट्रपति दादागीरी पर उतर आए हैं। वे संयुक्त राष्ट्र चार्टर के साथ अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इसकी कल्पना करना कठिन था कि लोकतंत्र की दुहाई देने वाला अमेरिका किसी देश के राष्ट्रपति का अपहरण कर लेगा, लेकिन ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने ऐसा ही किया। यह चोरी और सीनाजोरी ही है। अमेरिका ऐसी हरकतें पहले भी करता रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से उसने अपने संकीर्ण स्वार्थों को पूरा करने के लिए अनेक देशों पर हमले किए अथवा वहां छल-छद्म से तख्तापलट कराया। इस कोशिश में उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी, लेकिन वह सबक सीखने को तैयार नहीं। अमेरिका को वियतनाम में मात मिली। इसके बाद अफगानिस्तान, इराक और लीबिया में भी वह वैसा कुछ नहीं कर सका, जिसका दावा कर उसने इन देशों पर हमला किया था। वह इन देशों में कुल मिलाकर नाकाम ही रहा। उसकी इस नाकामी का दुष्परिणाम इन देशों ने अस्थिरता और अशांति के रूप में देखा। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की विश्व के अनेक देशों ने निंदा की, लेकिन कई देश ऐसे भी रहे, जिन्होंने ट्रंप की सैन्य कार्रवाई का समर्थन किया अथवा जो मौन बने रहे। चूंकि अमेरिका एक बड़ी आर्थिक एवं सैन्य शक्ति है, इसलिए कोई भी देश एक सीमा से अधिक उसका विरोध करने की स्थिति में नहीं। ट्रंप इसी का लाभ उठाकर मनमानी कर रहे हैं। उनके बेलगाम होने का एक कारण यह है कि उसे चुनौती दे सकने वाला रूस यूक्रेन युद्ध में उलझा है। करीब चार साल पहले यूक्रेन पर रूस का हमला उसकी मनमानी ही था। लगता है उसकी इस हरकत ने ट्रंप को भी मनमानी करने का मौका दिया। अब वे बेलगाम हैं। वेनेजुएला पर हमले के बाद वे डेनमार्क के स्वायत्तशासी क्षेत्र ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कर रहे हैं। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। ट्रंप इस बहाने ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहते हैं कि उस पर रूस और चीन की निगाह है। उनका कहना है कि अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा होना चाहिए। ग्रीनलैंड में अकूत प्राकृतिक संपदा है, जिसका अभी तक दोहन नहीं किया गया है। अमेरिका के अंदर यह विचार पहले भी रहा है कि जिस तरह अलास्का उसके नियंत्रण में आया, उसी तरह ग्रीनलैंड भी आए। ट्रंप उस पर सैन्य कार्रवाई के जरिये कब्जा करने के अलावा उसे खरीदने की बात भी कह रहे हैं। हालांकि वहां के लोग इसका विरोध कर रहे हैं, लेकिन वे बेपरवाह हैं। उन्हें डेनमार्क के साथ यूरोपीय देशों की नाराजगी की भी चिंता नहीं, जबकि वे नाटो के भविष्य को खतरे में बता रहे हैं। ट्रंप किस तरह अहंकार से भरे हुए हैं, इसका पता उनके इस कथन से चलता है कि उनकी आक्रामकता को सिर्फ वही रोक सकते हैं और अमेरिकी हितों के आगे किसी अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून का कोई महत्व नहीं।

चिंतन-मनन

उद्यम में है लक्ष्मी का वास

काम का ढेर देखकर कभी घबराना नहीं। मनुष्य काम करने के लिए ही जन्मा है। वह नहीं चाहेगा तो भी उसे काम करना ही पड़ेगा। जो कर्तव्य-कर्म करने में उत्साही है, वही दूसरों के लिए उपयोगी होने का सुख भोग सकता है। उद्यम में लक्ष्मी का वास है और आलस्य में अलक्ष्मी का। उद्यमी को देखकर कमनसीबी डरके भाग जाती है। उद्यम करने पर भी कभी ध्येय सिद्ध न हो तो भी उदास न हों, क्योंकि पुरुषार्थ अथवा प्रयत्न स्वयं ही एक बड़ी सिद्धि है। दुःख से कभी डरें नहीं, बल्कि उसे देखकर उसके सामने हँसें। आपको हँसते देखकर दुःख स्वयं ही डरके भाग जाएगा। मानव को दुःख का शिकार नहीं होना चाहिए, न ही सुख में फूलना चाहिए।

सुख सपना दुःख बुलबुला, दोनों हैं मेहमान।
दोनों बीतन दीजिए, जो भेजें भगवान?

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विवेकानंद के विचार और भारत की युवा ऊर्जा

योगेश कुमार गोयल

वर्तमान परिवेश में समाज में चारों तरफ अपराधों तथा भ्रष्टाचार का जो मकड़जाल फैल चुका है, वह घुन बनकर न सिर्फ देश को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है बल्कि युवा वर्ग भी भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के इस दूषित माहौल में हताश व निराश है। ऐसे में युवा वर्ग सही मार्ग से न भटके, इसके लिए युवा शक्ति को जागृत कर उसे देश के प्रति कर्त्तव्यों का बोध कराते हुए सही दिशा में प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना और उचित मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में राष्ट्रीय युवा दिवस की प्रासंगिकता बहुत बढ़ जाती है, जो प्रतिवर्ष स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर 12 जनवरी को मनाया जाता है। हमें भूलना नहीं चाहिए कि देश की आजादी की लड़ाई में अपना सब कुछ बलिदान कर लोगों में क्रांति का बीजारोपण करने वाले अधिकांश युवा ही थे। स्वामी विवेकानंद, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुखदेव, राजगुरू इत्यादि देश के अनेक युवाओं ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने निजी जीवन के समस्त सुखों का त्याग कर दिया था और अपना समस्त जीवन देश के लिए न्यौछावर कर दिया था लेकिन आधुनिक युग में हम स्वार्थी बनकर ऐसे क्रांतिकारी युवाओं की जीवन गाथाओं को भूल रहे हैं और हम सब धीरे-धीरे भ्रष्ट तंत्र का हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे ही क्रांतिकारी युवा महापुरूषों की जीवन गाथाओं के जरिये देश की युवा पीढ़ी को समाज में व्याप्त गंदगी से बचाकर देश के विकास में उसका सदुपयोग किया जा सके, इसी उद्देश्य से आधुनिक भारत के महान चिंतक, दार्शनिक, समाज सुधारक, युवा सन्यासी स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को ही प्रतिवर्ष "राष्ट्रीय युवा दिवस" के रूप में मनाया जाता है, जो बहुत कम आयु में अपने विचारों के चलते समस्त जगत में अपनी एक विशेष पहचान बनाने में सफल हुए थे।

स्वामी विवेकानंद के वक्तव्यों का आम जनमानस और खासकर युवाओं के मनोमस्तिष्क पर कितना प्रभाव पड़ता था, इसका उनके शिकागो भाषण से बेहतर उदाहरण नहीं मिल सकता। 11 सितम्बर 1893 को जब शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत उन्होंने "मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों" के साथ की थी तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही थी। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया था। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। उन्होंने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसंबर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। 4 जुलाई 1902 को इसी रामकृष्ण मठ में ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए।

स्वामी विवेकानंद सही मायनों में युवाओं के प्रेरणास्त्रोत और आदर्श व्यक्त्वि के धनी थे, जिन्हें उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। विवेकानंद सदैव कहा करते थे कि उनकी आशाएं देश के युवा वर्ग पर ही टिकी हुई हैं। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में स्वामी जी अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। उन्होंने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए हमेशा युवा शक्ति पर भरोसा किया। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने अनेक मूलमंत्र दिए।

क्या ईरान के लिये अब परमाणु परीक्षण जरूरी हो गया है...

तनवीर जाफ़री

पिछले दिनों सनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के निर्देश पर जिसतरह वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई करते हुये अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की राजधानी कराकस से वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उनकी पत्नी का बलात अपहरण कर उन्हें न्यूयार्क ले जाया गया उसने पूरी दुनिया को न केवल अचंभे में डाल दिया है बल्कि इस घटना ने एक नई विश्व व्यवस्था व नये वैश्विक शक्ति संतुलन के गठन की संभावना को भी प्रबल कर दिया है। कितना आश्चर्य है कि नोबल शांति पुरस्कार की चाहत रखने वाले राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी शक्तियों का दुरुपयोग कर इस दुनिया को जंगल राज की तरह चलाना चाह रहे हैं/ वेनेजुएला पर की गयी गैर कानूनी अमेरिकी कार्रवाई कई संकेतों की ओर इशारा कर रही है। एक तो यह कि क्या यह विश्व की उदारवादी सोच रखने वाली ताकतों को विश्व की पूंजीवादी व अतिवादी व्यवस्था की ओर से दी जाने वाली यह एक सीधी चुनौती है/ गौरतलब है कि ट्रंप परिवार की गिनती भी अमेरिका के बड़े पूंजीवादी घरानों में की जाती है। या फिर यह चीन व रूस जैसे देशों एक साथ ललकारने की ट्रंप की नीति का हिस्सा है/ और अब कोलंबिया, क्यूबा, मैक्सिको और ईरान जैसे देशों पर अमेरिकी सैन्य या आर्थिक दबाव की आशंका व्यक्त की जा रही है। साथ ही अमेरिका द्वारा ग्रीनलैंड पर भी अधिग्रहण की धमकी दी जा चुकी है।

ऐसे में दुनिया के सामने दो ही विकल्प बचे हैं एक तो यह कि दूसरे देशों की स्वतंत्रता व संप्रभुता का सम्मान करने वाले सभी देश वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का विरोध करते हुये हर स्तर पर एकजुट होकर अमेरिका का मुकाबला करें। दूसरा यह कि 'जिसकी लाठी उसी की भैंस' वाली अमेरिकी नीति का ही अनुसरण करते हुये पूरी दुनिया ही जंगल राज में बदल जाये। हर ताकतवर देश अपनी पड़ोसी कमजोर देश को निगलने की मानवता व न्याय विरोधी रक्तरंजित योजना पर काम करे। उदाहरण के तौर पर चीन ताइवान को हड़प ले और रूस यूक्रेन पर अपना आधिपत्य स्थापित कर ले/ इस्राईल, फिलिस्तीन लेबनान सीरिया पर नियंत्रण कर अपने वृहत्तर इस्राईल के नापाक मंसूबे पर आगे बढ़े/ और इन्हीं खतरनाक संभावनाओं के बीच एक उपाय यह भी है कि ईरान परमाणु परीक्षण के द्वारा उत्तर कोरिया की तरह एक ऐसी आत्म रक्षक व "निवारक" रणनीति पर काम करे जो अमेरिका को भी युद्ध से पीछे हटने पर मजबूर कर दे/ तो क्या लंबे समय से चले आ रहे तमाम ईरान विरोधी प्रतिबंधों के बावजूद उस के सामने इस समय वैसी ही स्थिति पैदा हो चुकी है कि आत्मरक्षा के लिये अब उसे परमाणु संपन्न देशों के क्लब में शामिल होना जरूरी हो गया है.

गौरतलब है कि गत 13 जून-24 जून 2025 के मध्य चला बारह दिवसीय ईरान-इजराइल युद्ध उस समय शुरू हुआ था जब इजराइल ने ईरान के कई सैन्य और परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी और ईरान के कई प्रमुख सैन्य अधिकारियों, परमाणु वैज्ञानिकों व प्रमुख राजनेताओं की हत्या कर दी थी साथ ही अनेक नागरिकों को भी मार दिया था। इजराइल ने उस समय ईरान की वायु सुरक्षा को भी नुक़सान पहुँचाया था और कई जगह तो इसे पूरी तरह नष्ट भी कर दिया था। इतना ही नहीं बल्कि अमेरिका ने भी इस्राईल के समर्थन में 22 जून को तीन ईरानी परमाणु स्थलों पर बमबारी की। परन्तु बाद में मुंहतोड़ जवाबी कार्रवाई करते हुये ईरान ने 550 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों और 1, 000 से अधिक आत्मघाती ड्रोनों के साथ बड़े पैमाने पर इस्राईल में राजधानी तेल अवीव सहित कई शहरों पर भीषण हमले किये। कम से कम बारह सैन्य, ऊर्जा और सरकारी स्थलों को निशाना बनाया। यहाँ तक कि कई अमेरिकी सैन्य लक्ष्यों को भी निशाना बनाया। उस दौरान भी पश्चिमी मीडिया ईरानी सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामनेई को लेकर बार बार तरह तरह की अफवाह उड़ा रहा था। कभी उन्हें भूमिगत बता देता था तो कभी उनके ईरान छोड़कर भाग जाने की खबर फैला देता था। उस समय भी आयतुल्लाह खामनेई जनता को संबोधित करने के लिये सार्वजनिक रूप से दिखाई देते थे और पिछले दिनों भी बिल्कुल वैसा ही दृश्य देखने को मिला। इस बार भी 'भूमिगत' होने व 'मास्को भागने की तैयारी' जैसी अफवाहों के बीच गत शुक्रवार को पुनः आयतुल्लाह खामनेई जनता के सामने आये तथा बेखौफ होकर खुद अमेरिका को ही हिदायत व नसीहत करते सुने गए। परन्तु ट्रंप के नेतृत्व वाला वर्तमान अमेरिका वेनेजुएला की घटना के बाद तो पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। दुनिया में सबसे अधिक तेल भण्डार रखने वाले अमेरिका को विश्व के अन्य तेल उत्पादक देशों से अपनी शर्तों पर तेल चाहिये। चाहे इसके लिये कोई भी बहाना बनाकर किसी राष्ट्रपति का अपहरण तक क्यों न करना पड़े। जाहिर है ईरान भी वेनेजुएला की ही तरह दुनिया के उन गिने चुने तेल उत्पादक देशों में एक है जो अमेरिका को 'सर्वशक्तिमान ' भी नहीं मानता और न ही उसकी 'वैश्विक थानेदारी ' को स्वीकार करता है। जबकि 1979 की ईरानी इस्लामिक क्रांति से पहले का रजा शाह पहलवी का ईरानी शासन अमेरिका का पिट्ठू शासन था। उसी समय से ईरान न केवल अमेरिकी बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा लगाये गयी अनेक प्रतिबंध भी झेलता आ रहा है जोकि निश्चित रूप से ईरान की अर्थव्यवस्था को बेहद कमजोर कर रहा है। इन प्रतिबंधों के बावजूद अपने अत्यंत सीमित संसाधनों के बल पर ईरान ने शिक्षा, विज्ञान यहाँ तक कि अंतरिक्ष विज्ञान तक के क्षेत्र में जो तरक़्क़ी की है उसी की झलक गत वर्ष के बारह दिवसीय ईरान-इजराइल युद्ध में भी देखने को मिली। परन्तु अब बात इस्राईल की नहीं बल्कि ईरान को सीधे अमेरिका चुनौती दे रहा है। ईरान में चल रहे सरकार विरोधी व अमेरिका - इस्राईल समर्थित प्रदर्शनों को लेकर अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि प्रदर्शनकारियों को मारा गया तो अमेरिका ईरान पर बड़े हमले करेगा। ऐसे में ईरान, अमेरिकी हमलों से बचने के लिये आखिर कौन सी रणनीति अपना सकता है/ क्या ईरान द्वारा परमाणु परीक्षण किया जाना भी इन्हीं संभावनाओं में एक सबसे प्रमुख है/ क्या निकट भविष्य में ईरान भी परमाणु परीक्षण कर "परमाणु क्लब" में शामिल हो जाएगा ताकि अमेरिका व इजराइल जैसे देशों को सैन्य हमले से रोका जा सके/ यदि ईरान में उपजे सत्ता विरोधी प्रदर्शनों के बीच ईरान रूस और चीन जैसे सहयोगी देशों की मदद से परमाणु परीक्षण करता है तो इससे ईरान की जनता में सुरक्षा, स्वाभिमान तथा राष्ट्रवाद बढ़ेगा तो बढ़ेगा ही साथ ही वहां आंतरिक राष्ट्रीय एकता भी बढ़ेगी। इसके अलावा ईरान का क्षेत्रीय प्रभाव भी बढ़ेगा साथ ही अमेरिकी एकध्रुवीयता का विरोध करने वाले देशों को भी मजबूती मिलेगी। इसके अलावा दशकों से अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण दबाव का सामना करती आ रही ईरान की अर्थव्यवस्था में इस परीक्षण से JCPOA के रूप में कई नई संभावनाएँ भी खुल सकती हैं। वैसे भी उत्तर कोरिया द्वारा किये गये परमाणु परीक्षण के बाद ही ट्रंप-की उत्तर कोरिया राष्ट्रपति किम जोंग के साथ 27 -28 फरवरी 2019 को वेतनाम के हनोई में मुलाकात हुई थी। गोया आज की दुनिया में खासकर अमेरिकी वर्चस्व वाली दुनिया में यदि किसी देश को अपना अस्तित्व बचाकर रखना है तो उसका परमाणु संपन्न देश होना जरूरी हो चुका है। अन्यथा कभी भी इराक-वेनेजुएला-गजा-सीरिया-लेबनान यानी कहीं भी कुछ भी हो सकता है.

दुनिया में मंदी: भारत में आर्थिक मजबूती की रोशनी

वैश्विक चुनौतियों, भू-राजनीतिक तनावों, युद्धों, महामारी के पश्चात बनी अस्थिरताओं, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और महँगाई के दबावों के बीच जब दुनिया की अनेक बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ लड़खड़ा रही हैं, तब भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़े आँकड़े आशा, भरोसे और आत्मविश्वास की एक सशक्त किरण बनकर उभरे हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़ों से स्पष्ट है लगभग 7.4 प्रतिशत की विकास दर पर कायम रहना केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई आर्थिक नीतियों की दृढ़ता, दूरदर्शिता, पारदर्शिता और संतुलन का प्रमाण है। जिसमें विनिर्माण, सेवाएं और सरकारी व्यय वृद्धि को गति मिलेगी। जाहिर है, इसका असर नौकरी, महंगाई, आमदनी, कर्ज, कर और सरकारी सुविधाओं पर पड़ेगा। ग्रामीण इलाकों में कृषि से जुड़े रोजगार में बढ़ोतरी हो सकती है, जो यह संकेत देता है कि भारत न केवल वैश्विक अस्थिरताओं से स्वयं को बचाने में सक्षम रहा है, बल्कि अवसरों को साधकर अपनी विकास-यात्रा को निरंतर गति भी दे रहा है।

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहाँ अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएँ मंदी और ऋण संकट से जूझ रही हैं, चीन की विकास गति में स्पष्ट सुस्ती दिखाई दे रही है, और अनेक विकासशील देशों पर ऋण, महंगाई तथा बेरोजगारी का बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐसे वातावरण में भारत का अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन यह दशार्ता है कि बीते एक दशक में अपनाई गई नीतियां केवल तात्कालिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। मोदी सरकार ने आर्थिक सुधारों को केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर लागू करने का प्रयास किया, चाहे वह कर प्रणाली में सुधार हो, बुनियादी ढाँचे में निवेश हो या डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार। जिससे कर संग्रह और राजकोषीय घाटे पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। व्यापक अर्थव्यवस्था और आगामी केंद्रीय बजट दोनों के दृष्टिकोण से यह अच्छी बात है। जीडीपी दर के समांतर महंगाई काबू में रहे तो केंद्रीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें घटा सकता है, जिसका सीधा असर कर्ज की किस्त पर पड़ सकता है। साथ ही, सरकार को मिलने वाला कर राजस्व बढ़ सकता है, जिससे ढांचागत और समाज कल्याण की योजनाओं पर खर्च बढ़ाया जा सकता है। शेयर बाजार में तेजी से म्यूचुअल फंड, भविष्य निधि आदि पर सकारात्मक असर हो सकता है। जीडीपी की दर 2024-25 में 6.5 फीसद की तुलना में अधिक है और यह मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवाओं में वृद्धि के सुधार का नतीजा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक दृष्टि का मूल आधार "सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन" रहा है। वस्तु एवं सेवा कर जैसे बड़े सुधारों ने भारतीय बाजार को एकीकृत किया, व्यापार को सुगम बनाया और कर-संग्रह की पारदर्शिता बढ़ाई। प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद, आज जीएसटी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थायी आधार बन चुका है। इसके साथ ही दिवालियापन एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों की स्थिति को मजबूत किया, जिससे फंसे हुए ऋणों की समस्या पर काफी हद तक अंकुश लगा। बैंकिंग प्रणाली की यह मजबूती ही है, जिसने निवेश और उद्यमिता को नई ऊर्जा दी है। मोदी सरकार की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही है कि उसने घरेलू मांग को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि क्षेत्र और मध्यम वर्ग को सहारा देने वाली योजनाओं ने उपभोग को बनाए रखा। बुनियादी ढाँचे में बड़े पैमाने पर निवेश ने न केवल रोजगार के अवसर पैदा किए, बल्कि दीर्घकाल में उत्पादन और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में भी मदद की। सड़कें, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे और डिजिटल नेटवर्क-इन सभी क्षेत्रों में हुए विस्तार ने भारत को एक अधिक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक मजबूती का एक बड़ा कारण उसकी संतुलित विदेश नीति और पड़ोसी देशों के साथ व्यावहारिक संबंध भी हैं। जहां एक ओर भारत ने विकसित देशों के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को सुदृढ़ किया, वहीं दूसरी ओर पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने का प्रयास किया। यह संतुलन भारत को बाहरी झटकों से अपेक्षाकृत सुरक्षित रखता है। ऊर्जा, रक्षा, खाद्य सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों ने भी भारत की रणनीतिक और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत किया है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने भारत की अर्थव्यवस्था में नवाचार और उद्यमिता की नई लहर पैदा की। आज भारत दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है। फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में हुए नवाचार न केवल घरेलू बाजार को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारत की पहचान बना रहे हैं। डिजिटल भुगतान प्रणाली ने वित्तीय समावेशन को बढ़ाया, जिससे आर्थिक गतिविधियों का दायरा विस्तृत हुआ और पारदर्शिता में सुधार आया।

महत्त्वपूर्ण यह भी है कि मोदी सरकार ने आर्थिक विकास को सामाजिक कल्याण से अलग नहीं किया। गरीबों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने वाली योजनाओं ने सामाजिक स्थिरता को बनाए रखा, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए अनिवार्य होती है। सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति ने एक ऐसी नींव तैयार की, जिस पर टिकाऊ विकास संभव हो सका। यही कारण है कि वैश्विक संकटों के बावजूद भारत की आंतरिक मांग और विश्वास कमजोर नहीं पड़ा। आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यह स्थिति केवल वर्तमान उपलब्धि नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का संकेत है। वर्ष 2047, जब भारत अपनी आजादी के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब दुनिया की सर्वोच्च अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य अब केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित यात्रा का परिणाम प्रतीत होता है। जनसांख्यिकीय लाभ, युवा शक्ति, तकनीकी क्षमता और राजनीतिक स्थिरताकृये सभी तत्व भारत को इस लक्ष्य के करीब ले जा रहे हैं।

निस्संदेह चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वैश्विक परिस्थितियां कभी भी अचानक बदल सकती हैं, जलवायु परिवर्तन, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक तनाव नई कठिनाइयां पैदा कर सकते हैं। लेकिन जिस आत्मविश्वास, अनुशासन और दूरदर्शिता के साथ भारत ने अब तक इन चुनौतियों का सामना किया है, वह यह भरोसा देता है कि देश आगे भी संतुलन बनाए रखते हुए प्रगति करता रहेगा। 7.4 प्रतिशत की विकास दर केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस उजली तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों की स्पष्ट छाप दिखाई देती है। निर्णायक नेतृत्व, दीर्घकालिक सोच और सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता ने भारत को एक ऐसे मोड़ पर खड़ा कर दिया है, जहां संभावनाएं अनंत हैं। वैश्विक असंतुलन और अनिश्चितताओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का मजबूत बने रहना न केवल देशवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया के लिए भी एक संदेश है कि स्थिरता, संतुलन और आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलकर कोई भी राष्ट्र वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदल सकता है। यही भारत की आर्थिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि और आने वाले दशकों की सबसे बड़ी आशा की किरण है। इन सब सकारात्मक स्थितियों के बावजूद जरूरत इस बात की भी है कि अर्थव्यवस्था की ठोस मजबूती के लिए उन पहलुओं पर भी गौर किया जाए, जिनकी अनदेखी हो रही है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गजरौला में रोटरी क्लब भरतियाग्राम के रोटरी न्यू ईयर 2026 मेले का आयोजन

रोटरी का उद्देश्य समाज की सेवा: नितिन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला रोटरी के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नितिन अग्रवाल ने कहा कि रोटरी का उद्देश्य समाज की सेवा करना है। क्लब इसके लिए सतत प्रयासरत भी है। उन्होंने रोटरी क्लब भरतियाग्राम के प्रोजेक्ट दीदी की दुकान की भी काफी प्रशंसा की। साथ ही औद्योगिक नगरी में रोटरी न्यू ईयर 2026 मेला के भव्य आयोजन के लिए टीम को बधाई भी दी। बता दें कि शनिवार की देर शाम गजरौला में हाईवे किनारे स्थित एक होटल में रोटरी क्लब भरतियाग्राम द्वारा आयोजित रोटरी न्यू ईयर 2026 मेला का शुभारंभ मुख्य अतिथि मंडी धनौरा की सीओ अंजलि कटारिया, रोटरी के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नितिन अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, जुबिलेंट एग्री एंड कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के यूनिट हेड एवं क्लब के प्रेसीडेंट देवेंद्र बंसल, जुबिलेंट इंग्रेविया के यूनिट हेड विनोद झा. निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित आदि ने दीप प्रज्जवलित करके की। इसके बाद शुरू हुआ मौजमस्ती और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सिलसिला। हापुड़ से आए कलाकारों ने मयूर नृत्य से समां बांध दिया। गायक सुहैल ने फिल्मी गीत प्रस्तुत किए। मेले का मुख्य आकर्षण लकी ड्रा रहा। मेले में फास्टफूड के साथ ही कई अन्य स्टाल भी लगे थे। मेला स्थल पर घूम रहे मिकीमाउस के वेशधारी कलाकार बच्चों के बीच आकर्षण का केंद्र रहे। लोगों ने उने साथ सेल्फी भी ली। कार्यक्रम का संचालन एंकर निकिता पूनिया ने किया। महिलाओं एवं अतिथियों के लिए कई सरप्राइज गेम भी रखे गए थे। इसके उपरांत उन्हें उपहार भी दिए गए। क्लब के अध्यक्ष देवेंद्र बंसल ने गत छह माह की उपलब्धियों के बारे में बताया। साथ ही कहा कि क्लब शीघ्र ही निर्धन बच्चों को वस्त्र भी प्रदान करेगा। इस मौके पर सोनाली फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष एवं जिला उपभोक्ता फोरम में जज अंजू दीक्षित, रंजना झा, संजुल बंसल, सुशीला बंसल, नमन जैन, ईशा जैन, ममता पुनीत गुप्ता, अनुपम सिंह, क्लब के सेक्रेटरी विशाल गौरव, कोषाध्यक्ष डा.सैय्यद बिलाल, अर्पण गुप्ता, सुनील सिंह, पुनीत माहेश्वरी, डा. सुजिंदर फोगाट, अंशय कालरा, चंदन सिंह, आशु, बूंदी सिंह, नवनीत सिंह, राहुल आदि भी मौजूद रहे।

कांग्रेस पार्टी ने सरकार द्वारा मनरेगा के नाम बदलने के फैसले के खिलाफ किया जोरदार विरोध

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कांग्रेस पार्टी ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा मनरेगा के नाम बदलने के फैसले के खिलाफ जोरदार विरोध शुरू कर दिया है। रविवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओंकार कटारिया के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने गांधी मूर्ति चौराहे पर सत्याग्रह शुरू किया। यह विरोध प्रदर्शन देशव्यापी 'मनरेगा बचाओ संग्राम' का हिस्सा है, जो 10 जनवरी 2026 से शुरू हुआ। केंद्र सरकार ने मनरेगा को नए नाम विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) या जी राम जी से बदलने का प्रस्ताव रखा है, कांग्रेस का आरोप है कि यह सिर्फ नाम बदलने की साजिश नहीं, बल्कि योजना की मूल भावना को कमजोर करने और महात्मा गांधी की विरासत को मिटाने का प्रयास है। ओंकार कटारिया ने कहा कि मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों के लिए रोजगार का कानूनी अधिकार है, जिसे 2005 में कांग्रेस सरकार ने लागू किया था। कार्यकताओं ने नारेबाजी की और मोदी सरकार पर गरीब-विरोधी नीतियों का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि फैसला वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन और तेज होगा।

सिक्ख गुरुओं के अपमान पर भड़के जिला पंचायत सदस्य डॉ सोरन सिंह

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर शासन से की कार्यवाही की मांग

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा सिख गुरुओं पर अभद्र भाषा का प्रयोग कर उन्हें अपमानित करने के मामले में सिक्ख समुदाय के लोगों में भारी रोष व्याप्त हैं देशभर में जगह-जगह उनके इस कथित बयान का विरोध कर पुतले फूंके जा रहे हैं। उसी क्रम में गजरौला के रहने वाले जिला पंचायत सदस्य डॉक्टर सोरन सिंह चौधरी ने नगर के हाईवे किनारे स्थित अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी जिसमें उन्होंने कहा कि दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा जो सिख गुरुओं के बारे में अभद्र टिप्पणी कर उन्हें अपमानित किया है इससे हमारे सिक्ख समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई है,हमारी भावनाएं आहत हुई जिसका हमें बहुत दुख है। उन्होंने कहा कि किसी को भी किसी के भी धर्म के बारे में अभद्र भाषा प्रयोग कर उन्हें अपमानित करने का कोई अधिकार नहीं है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा सिक्ख गुरुओं के विषय में दिए गए कथित बयान से हमारे सिक्ख समुदाय के लोगों की आत्माएं आहत हुई है हम चाहते हैं कि दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा जो सिक्ख गुरुओं का अपमान किया गया है उसकी निंदा करते हुए हम शासन से मांग करते हैं कि उनकी सदन से सदस्यता को निरस्त कर उन पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए और उन्हें जेल भेजा जाए। डॉ सोरन सिंह चौधरी ने कहा कि मैं इस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से अपने सिक्ख समुदाय के लोगों को ऐसे लोगों के खिलाफ जागरूक करना चाहता हूं जिससे कि मेरी बात उन तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि यदि शासन द्वारा इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं होती है तो हम बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे शासनिक व प्रशासनिक अधिकारियों को इस संबंध में ज्ञापन भी देंगे। लेकिन हम अपने सिक्ख गुरुओं का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे।

धनौरा स्थित चर्च में धर्म परिवर्तन को लेकर बजरंग दल कार्यकताओं का हंगामा,पहुंची पुलिस

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा स्थित एक चर्च में धर्म परिवर्तन के आरोपों को लेकर बजरंग दल कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया। जिसकी सूचना से पुलिस महकमे में हलचल मच गई और उसने मौके पर पहुंचकर किसी तरह मामला शांत कराया। बता दें कि यह मामला थाना मंडी धनौरा के मोहल्ला चामुंडा स्थित चर्च का है जहां पर रविवार को बजरंग दल कार्यकताओं ने धर्म परिवर्तन के नाम पर लगे गंभीर आरोपों को लेकर जमकर हंगामा किया ।इसकी सूचना से पुलिस महकमे में हलचल मच गई और थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर किसी तरह स्थिति को शांत कराया। इस मामले में बजरंग दल के प्रांत गौरक्षा प्रमुख हेमंत सारस्वत ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि चर्च में हिंदू समाज की गरीब महिलाओं और बच्चों को निशाना बनाया जा रहा है, उन्होंने कहा कि उन्हें लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि यहां गंभीर बीमारियों को ठीक करने का झांसा और पैसों का लालच देकर लोगों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है, सारस्वत ने चेतावनी दी कि सनातन धर्म के विरुद्ध ऐसी गतिविधियां किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं हंगामे की खबर मिलते ही थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार अपनी टीम के साथ चर्च में पहुंचे उन्होंने चर्च परिसर के अंदर और बाहर मौजूद लोगों से पूछताछ की पुलिस ने आक्रोशित कार्यकताओं को समझा बुझाकर शांत किया और निष्पक्ष जांच करने का आश्वासन दिया। इस मामले में थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार ने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जांच की जा रही है और शांति व्यवस्था भंग करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सैनी ने आरोपों को दोहराते हुए कहा कि उनका संगठन ऐसे कृत्यों को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा ।फिलहाल धनौरा थाना पुलिस द्वारा इस मामले की बारीकी से जांच की जा रही है।

प्यारेलाल बैंकट हॉल में बहुजन समाज पार्टी के कार्यकताओं ने की बैठक

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- बहुजन समाज पार्टी की हसनपुर विधानसभा क्षेत्र की विधानसभा स्तरीय बैठक नगर हसनपुर के प्यारेलाल बैंकट हॉल में आयोजित की गई। मीटिंग में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर ओंकार सिंह मुख्य सेक्टर प्रभारी मुरादाबाद मंडल ने कहा कि 15 जनवरी 2026 को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष परम बहन कुमारी मायावती के जन्म दिवस का कार्यक्रम मंडल स्तर पर मुरादाबाद में सिविल लाइन के पास डॉ अंबेडकर पार्क में बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। पार्टी के सभी पदाधिकारीयों, कार्यकताओं से भारी संख्या में पहुंचने की अपील की। मीटिंग में बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष पूर्व दर्जा मंत्री सोमपाल सिंह एडवोकेट ने कहा कि बहन कुमारी मायावती का जन्मदिन का कार्यक्रम हर वर्ष जन कल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया जाता है इस वर्ष भी बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा आज प्रदेश की जनता बहन कुमारी मायावती के शासनकाल को याद कर रही है। सर्व समाज के लोग बहुजन समाज पार्टी में सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। इस दौरान नवाब सैफी निवासी हसनपुर ने अपने समर्थकों के साथ बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मीटिंग का समापन करते हुए अजब सिंह एडवोकेट मंडल प्रभारी ने सभी कार्यकताओं का स्वागत किया और मीटिंग सफल बनाने पर सभी को धन्यवाद दिया। इस मौके पर टेक चंद सैनी व बबलू गौतम जिला संयोजक भाईचारा, धर्मपाल सिंह खड़कवंशी जिला पंचायत सदस्य, अभय सिंह गौतम जिला प्रभारी, दिनेश कुमार जिला कार्यकारिणी सदस्य, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष मदन सिंह गौतम, नरेंद्र प्रधान, प्रदीप कुमार, जहीर अहमद, जगदीश खड़कवंशी, विधानसभा प्रभारी अजय पाल, जसवंत सिंह, कारी जुनैद, डॉक्टर मुखिया गुर्जर, सुरेश चंद, भगवान दास, भारतपाल, सुनील सागर, मास्टर विनेश, नौशाद सलमानी, बाबू फारुकी, अमित हाली, विकास कुमार, महेश गौतम, नवाब सैफी, देवेंद्र सिंह, महिपाल सिंह, रणवीर सिंह, डॉक्टरसूरज सिंह बौद्ध, सुल्तान सिंह, लोकेश, मदनपाल आदि सैकड़ो संख्या मौजूद रहे।

ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने अपनी निधि से कराया 10 लाख रुपये का आरसीसी नाला निर्माण

हसनपुर विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही समस्या का हुआ समाधान

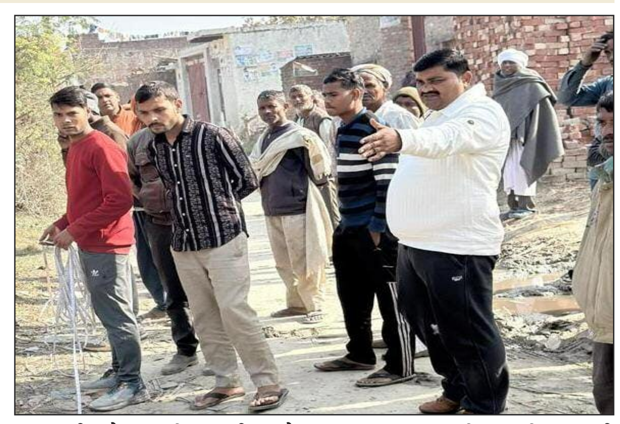

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गंगेश्वरी ब्लॉक के ग्राम सभा मिलक गंगा चोली में एक खुशी का मौका देखने को मिला। गांव का मुख्य रास्ता बरसों से जर्जर हालत में था, जहां बारिश के पानी से हमेशा जलभराव हो जाता था। इससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी होती थी। इस समस्या को देखते हुए गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए अपनी निधि से 10 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाला का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया। यह कार्य तुरंत प्रभाव से शुरू हुआ और जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। निर्माण कार्य शुरू होते ही पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने ब्लॉक प्रमुख का हाथ जोड़कर धन्यवाद किया और उन्हें अपना भाई कहकर संबोधित किया। एक ग्रामीण ने कहा कि हमारी सालों पुरानी परेशानी को भाई राजेंद्र सिंह ने हल कर दिया। यह असली जनसेवा है ! राजेंद्र सिंह खड्गवंशी, जो गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख के साथ-साथ क्षेत्र में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं, उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान करना हमारा कर्तव्य है। मैं हमेशा अपने क्षेत्र के विकास और लोगों की सुविधा के लिए तत्पर रहता हूं। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि सच्ची नेतृत्व क्षमता जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देकर हल करने में निहित होती है। गांव वासियों ने ब्लॉक प्रमुख को बधाई देते हुए कहा कि आपका अपना भाई राजेंद्र सिंह खड़कवंशी, गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख, अमरोहा हमेशा हमारे साथ खड़े रहें रहते हैं और मानवता की जीती जागती मिसाल है। ऐसी पहल से क्षेत्र में विकास की नई उम्मीद जगी है।

डिडौली क्षेत्र में भाकियू शंकर की पंचायत का आयोजन, महत्वपूर्ण मुद्दों पर की चर्चा

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को डिडौली थाना क्षेत्र के गांव नागलिया असदुल्ला में प्रिंसिपल सत्यवीर सिंह की बैठक पर चौधरी धर्मवीर सिंह की अध्यक्षता व सतवीर सिंह के संचालन में भाकियू शंकर की एक पंचायत हुई, पंचायत को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि हमारे योगी सरकार किसान हितों में काफी सराहनीय कार्य कर रही है परंतु विभागीय भ्रष्टाचारी अधिकारी सरकार की किरकिरी करा रहे हैं जिसकी नजीर चकबंदी विभाग है तहसील नौगांव के ग्राम ढक्का में 90% किस चकबंदी नहीं करना चाहते परंतु चांद किसने से घूस लेकर चकबंदी विभाग चकबंदी करने पर उतारू है संगठन लगातार 5 महीने से विरोध धरना प्रदर्शन कर रहा है इसके बाद भी चकबंदी विभाग प्रक्रिया को आगे बढ़ने पर आमादा है जिसको लेकर किसानों में भारी रोष व्याप्त है। क्योंकि चकबंदी प्रक्रिया के दौरान मुख्य मार्ग पर स्थित चकों को हटाकर दूर बना दिया गया है। जिन चकों पर पहले से ट्यूबवेल लगे हुए थे, वहां किसी अन्य व्यक्ति का चक बना दिया गया। लेखपाल पर कुछ लोगों से मिलीभगत कर उनके चकों को चकबंदी से बाहर करने तथा बिना मौके पर आबादी या बाग होने के बावजूद उन्हें ू-18 करके आबादी दशार्ने का भी आरोप लगाया गया। जिला अध्यक्ष चौधरी नाम पाल सिंह ने कहा कि कई स्थानों पर मौके पर मौजूद मकान व आबादी को सामान्य भूमि दिखा दिया गया है, वहीं चकों में लगे आम, अमरूद व शीशम के पेड़ों को नक्शे में नहीं दशार्या गया। कुछ किसानों के मुख्य चकों को हटाकर उन्हें उड़ान चक बना दिया गया, जिससे उन्हें भारी नुकसान हो रहा है।‹चकबंदी के दौरान भूमि की नाप में भी गंभीर गड़बड़ी के आरोप लगाए गए। किसानों का कहना है कि जिनकी भूमि मौके पर पूरी थी, नाप के समय उन्हें कम दिखाया गया है। इसके अलावा भूमि की सही मालियत का निर्धारण भी नहीं क्या है ग्राम ढक्का में लगभग 70 से 80 प्रतिशत किसान चकबंदी का विरोध कर रहे हैं और वर्तमान स्थिति में चकबंदी को निरस्त किया जाना न्यायहित में आवश्यक है। उन्होंने मांग की कि राजस्व अभिलेखों को चकबंदी विभाग से हटाकर तहसील में भेजा जाए, ताकि किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड का नवीनीकरण और नए केसीसी बनाए जा सकें। जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह ने कार्यकारिणी की सिफारिश पर संगठन को बदनाम करने वाले राजवीर सिंह व अशोक रानी को बर्खास्त कर दिया है अब इनका संगठन से कोई वास्ता नहीं है इनके किसी भी व्यवहार केलिए संगठन उत्तरदाई नहीं होगा । पंचायत में नेपाल सिंह, अमित कुमार, सोमवीर सिंह, नरेशखारी, अख्तव, राकेश सिंह, मोनू चौधरी , विक्रम पवार डॉ अर्पित महेश्वरी डॉक्टर गौतम पाल वसीम अहमद असीम नन्हे बबीता रानी सुखबीर सिंह मनोज कुमार महिपाल सिंह प्रधान, हरि सिंह प्रधान वीरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत 253 ओवरस्पीडिंग वाहनों पर की सख्त कार्रवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर परिवहन विभाग आमजन को सुरक्षित एवं दुर्घटना रहित यात्रा के लिए जागरूक करने के हर संभव प्रयास कर रहा है। साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार प्रवर्तन कार्रवाई भी की जा रही है ।आज की प्रमुख कार्रवाई में कुल 253 वाहनों के चालान काटे गए। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा के नेतृत्व में नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार से दौड़ने वाले वाहनों की गति की जांच की गई। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा प्रदान किए गए आधुनिक इंटरसेप्टर वाहन का उपयोग किया गया। इस वाहन में लगा हाई-स्पीड कैमरा लगभग 100 मीटर दूर से आने वाले वाहनों की स्पीड, नंबर प्लेट और फोटो कैद कर लेता है, जिसके आधार पर तुरंत चालान जारी हो जाता है ।इस अभियान में ओवरस्पीडिंग के 128 मामलों में चालान काटे गए। इसके अलावा हेलमेट न पहनने, सीट बेल्ट न लगाने, मोबाइल फोन पर बात करने और गलत दिशा में वाहन चलाने जैसे उल्लंघनों में 125 चालान जारी किए गए ।परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करें तथा ओवरस्पीडिंग से बचें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। सुरक्षित यात्रा ही सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक में 16 विवादों का निस्तारण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस द्वारा संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक और सफल बैठक शनिवार को पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में यह बैठक परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकमपाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पति-पत्नी के बीच उत्पन्न होने वाले पारिवारिक विवादों

को आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से सुलझाना और परिवारों को टूटने से बचाना था। काउंसलरों ने कुल 65 पत्रावलियों पर विस्तृत सुनवाई की, जिसमें से 16 पत्रावलियों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। सबसे खुशी की बात यह रही कि 3 परिवारों को आपसी समझाइश और परामर्श के बाद पुनः मिला दिया गया, जिससे कई टूटते रिश्ते बच गए। वहीं, 10 पत्रावलियों पर आवेदकों द्वारा आगे बल न देने के कारण मामलों को बंद कर दिया गया। इसके अलावा 3 पत्रावलियों में विधिक कार्यवाही शुरू करने की संस्तुति की गई। बैठक में काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, लव मोहन वार्ष्णेय, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, बबीता शर्मा, कंचन माहेश्वरी सहित कांस्टेबल शहजाद मलिक, LHC रश्मि गहलोत, LC ज्योति आदि ने सक्रिय रूप से भाग लिया। संभल पुलिस का यह प्रयास परिवारों में सामंजस्य बनाए रखने और छोटे-मोटे विवादों को अदालत पहुंचने से पहले ही सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई और उनकी टीम की यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में सराहनीय कदम मानी जा रही है। ऐसी बैठकों के माध्यम से पुलिस न केवल कानून व्यवस्था बनाए रख रही है, बल्कि सामाजिक सद्भाव और पारिवारिक एकता को मजबूत करने में भी अपना योगदान दे रही है।

आलेख्य मतदाता सूची का पाठन कार्य जारी

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के निदेशों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि आज जनपद के समस्त बूथों पर बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) द्वारा अपने बूथ से संबंधित मतदाता सूची का पाठन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जनपद के समस्त मतदाताओं से अपील की है किः वे अपना नाम आलेख्य मतदाता सूची में अवश्य चेक करें। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो वे निम्नलिखित माध्यमों से अपना नाम मतदाता सूची

में सम्मिलित करवा सकते हैंः। फॉर्म 6 ऑफलाइन इछड के पास अथवा ऑनलाइन voters.eci.gov.in या ceouttarpradesh.nic.in पर भरें। दावे एवं आपत्तियों की अवधि 06 फरवरी, 2026 तक निर्धारित है।

पच्चीस मुकदमाती दोपहिया वाहनों की नीलाम हुई संपन्न

सम्भल(सब का सपना):- थाना कोतवाली सम्भल में दर्ज मुकदमा से संबंधित 25 जब्त दोपहिया (मोटरसाइकिल) वाहनों की नीलामी शनिवार को पूर्ण रूप से सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह नीलामी न्यायालय के आदेश के अनुपालन में की गई, जिसमें कुल न्यूनतम निर्धारित मूल्य 1,03,400 रुपये के मुकाबले 1,35,000 रुपये में वाहन बिके। नीलामी प्रक्रिया का संचालन पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार विश्नोई के आदेश पर हुआ। इसकी देखरेख में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप कुमार, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सर्किल सम्भल आलोक भाटी के कुशल निर्देशन में पूरी प्रक्रिया सुचारु रूप से चली। नायब तहसीलदार सम्भल दीपक कुमार जुरेल एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सम्भल की मौजूदगी में थाना हाजा पर यह नीलामी आयोजित की गई। सभी अधिकारी मौजूद रहे और पारदर्शी तरीके से बोली प्रक्रिया पूरी हुई। यह कार्यवाही पुलिस द्वारा जब्त चोरी/मुकदमाती वाहनों को नियमित रूप से नीलाम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदेय स्थलों पर भ्रमणशील रहकर संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी की गयी

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में 11 जनवरी 2026 को जनपद में अवस्थित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-39-धनौरा (अ०जा० 40-नौगावां सादात, 41-अमरोहा एवं 42-हसनपुर के प्रत्येक मतदेय स्थल पर बूथ लेवल अधिकारी (BLO) द्वारा प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक उपस्थित रहकर बैठक का आयोजन करते हुए मतदाताओं की उपस्थिति में आलेख्य मतदाता सूची को पढ़कर सुनाया गया। इस दौरान प्रत्येक मतदेय स्थल पर आलेख्य मतदाता सूची (Draft Electoral Roll) के साथ-साथ पर्याप्त मात्रा में फॉर्म-6, फॉर्म-8 एवं घोषणा पत्र (Declaration For) की उपलब्धता सुनिश्चित की गई तथा अर्ह नागरिकों से भरे हुए फार्म प्राप्त किये गये। मतदाताओं की सुविधा एवं कार्यों की निगरानी हेतु बी०एल०ओ० सुपरवाईजर, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (AERO) तथा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ERO) द्वारा भी अपने-अपने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले मतदेय स्थलों का भ्रमण किया गया। उक्त के साथ ही जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह द्वारा भी विधानसभा क्षेत्रों के मतदेय स्थलों परं भ्रमणशील रहकर संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी की गयी। इस पहल का उद्देश्य निर्वाचक नामावलियों को अद्यतन करना तथा सभी अर्ह नागरिकों को मतदाता सूची से संबंधित सुविधाओं की जानकारी प्रदान करना एवं उनके नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करना है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन

आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 79 लाभार्थियों के बनाए गए गोल्डन कार्ड

संभल(सब का सपना):- रविवार को जनपद में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 235वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। उक्त मेला सत्रों पर 35 चिकित्सकों एवं 133 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2428 रोगियों (पुरुष रोगी- 1121; महिला रोगी- 903 एवं 404 बच्चों) का निःशुल्क उपचार गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 79 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाये गये। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों पर बुखार के 314, चर्म रोग के 471, दमा के 298, मधुमेह

रोग के 129, नेत्र रोग से सम्बन्धित 52, उच्च रक्तचाप के 65 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। बुखार के सम्बन्ध में 21 मरीजों की मलेरिया की तथा 15 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयी; जिसमें सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट ऋणात्मक (Negative) रही। जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लॉनिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिये अलग से एक काउन्टर बनाये गये। जिलाधिकारी के निदेर्शों के अनुपालन में जनपद की समस्त आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया गया तथा एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 197 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो परामर्श भी दिया गया। आरोग्य मेला छात्रों पर आने वाले रोगियों में से 30 रोगियों को Telemanas Consultancy की सुविधा भी उपलब्ध कराई गयी। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया।

अवैध क्लीनिक पर स्वास्थ्य विभाग की सख्त कार्रवाई, दो कमरे सील

बहजोई/संभल(सब का सपना):- क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग ने एक बार फिर जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों पर शिकंजा कसा है। बहजोई मोहल्ला बंबा रोड स्थित एक मकान में अवैध रूप से संचालित क्लीनिक पर शनिवार शाम को बड़ी कार्रवाई की गई। शिकायत मिलने के बाद देर शाम डिप्टी सीएमओ डॉ. विश्वास अग्रवाल के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सीओ बहजोई प्रदीप कुमार और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर मौके पर छापेमारी की। टीम ने मकान के दो कमरों को तत्काल सील कर दिया और वहां से दवाएं, जांच उपकरण तथा अन्य चिकित्सीय

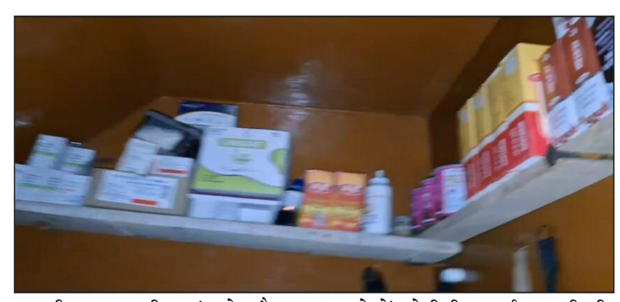

सामग्री बरामद की। जांच के दौरान मौके पर मौजूद लोगों से क्लीनिक चलाने के वैध पंजीकरण, लाइसेंस या अनुमति पत्र मांगे गए, लेकिन संचालक की ओर से कोई भी दस्तावेज पेश नहीं किया गया। डॉ. विश्वास अग्रवाल ने बताया कि जांच में साफ हुआ कि मकान के एक कमरे में ओपीडी चलाई जा रही थी, जबकि दूसरे कमरे में मरीजों के इलाज और जांच के लिए पूरा सेटअप तैयार था। हालांकि कार्रवाई के समय कोई मरीज मौके पर नहीं मिला, लेकिन क्लीनिक के संचालन के स्पष्ट प्रमाण मिले। जिले में पिछले कुछ समय से अवैध और बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे क्लीनिकों, अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की लगातार कार्रवाई हो रही है। ऐसे मामलों में अक्सर झोलाछाप डॉक्टर या अनधिकृत व्यक्ति मरीजों की जान से खिलवाड़ करते पाए जाते हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना योग्यता और लाइसेंस के कोई भी चिकित्सा गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि ऐसे किसी भी अवैध क्लीनिक या अस्पताल के बारे में जानकारी मिलने पर तुरंत सूचित करें।

बिना विज्ञापन शुल्क जमा किये नगर मे विज्ञापन सामग्री लगाने वालो के विरुद्ध चलेगा अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद की सीमा क्षेत्र मे विज्ञापन शुल्क जमा कराये बिना शहरी क्षेत्र मे विज्ञापन करने वालो के विरुद्ध कल से नगर पालिका परिषद अमरोहा चलाएगी अभियान, अवैध रूप से लगाए गए यूनिपोल, होर्डिंग, बैनर, पोल बोर्ड आदि को हटवाकर जब्त किया जायेगा तथा संबंधित के विरुद्ध सुसंगत कार्यवाही की जाएगी। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए नगर पालिका परिषद अमरोहा के उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने बताया की नगरीय क्षेत्र मे सार्वजनिक रूप से विज्ञापन का प्रदर्शन करने, यूनिपोल, होर्डिंग, बैनर, पोल बोर्ड, ट्री गार्ड विज्ञापन आदि के लिए नगर पालिका मे निर्धारित विज्ञापन शुल्क जमा करवाकर पालिका की लिखित

अनुमति के उपरांत ही विज्ञापन का प्रदर्शन किया जाना अनिवार्य है। शासन द्वारा निर्धारित शुल्क जमा कराये बिना लगने वाले विज्ञापनो के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही किये जाने के आदेश दिए गए हैं। पालिका प्रशासन द्वारा नगर क्षेत्र मे प्रदर्शन करने वाली समस्त फर्मो को सूचित किया जा चुका है की पालिका मे निर्धारित शुल्क जमा करवाकर ही विज्ञापन लगाएं, परन्तु कुछ लोगो / फर्मो द्वारा पालिका का शुल्क जमा कराये बिना नगर क्षेत्र मे अवैध रूप से विज्ञापन सामग्री लगायी जा रही है। पालिका उप नगर आयुक्त ने अवैध रूप से विज्ञापन सामग्री नगर मे लगाने वालो को चेतावनी देते हुए कहा है की ऐसे लोग / फर्म कल दिनांक 12 जनवरी 2026 (सोमवार) को दोपहर 12 बजे तक नगर पालिका मे उपस्थित होकर उनके द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों पर लगायी गयी विज्ञापन सामग्री की सूची प्रस्तुत कर दें तथा पालिका मे निर्धारित शुल्क जमा करवा कर उसकी अनुमति प्राप्त कर लें, अन्यथा कल दोपहर 2 बजे से नगर मे लगायी गयी अवैध विज्ञापन सामग्री के विरुद्ध अभियान चलाकर समस्त अवैध बैनर होर्डिंग आदि को पालिका संसाधनों से हटवा कर ध्वस्त करवा दिया जायेगा तथा संबंधित फर्म / कंपनी / व्यक्ति के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाएगी। इस सम्बन्ध मे पालिका उप नगरायुक्त द्वारा अधीनस्थ स्टॉफ को आदेश जारी कर दिए गए हैं।

मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण मंडलायुक्त और जिलाधिकारी ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों की विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम के अंतर्गत निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 6 जनवरी 2026 को किया गया। प्रकाशित आलेख्य निर्वाचक नामावलियां विशेष अभियान के रूप में 11 जनवरी 2026 को प्रातः 10:00 से 4:00 बजे तक जनपद के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के सभी मतदेय स्थलों / मतदान केंद्रों पर बैठकों का आयोजन करते हुए मतदाताओं की उपस्थिति में संबंधित बूथ लेवल अधिकारी द्वारा पढ़ी गई जिसमें मतदेय स्थलों पर नियुक्त

पदाभिहित अधिकारी सुपरवाइजर्स आदि उपस्थित रहे। मण्डलायुक्त मुरादाबाद आंजनेय कुमार सिंह एवं जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा विकासखण्ड बनिया खेड़ा के श्री रघुनाथ ब्र. आ. संस्कृत महाविद्यालय चंदौसी में मतदान केन्द्र के बूथ संख्या 177 से 184 तक का निरीक्षण किया। मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी द्वारा मतदान केंद्र पर मतदाताओं की उपस्थिति में मतदाता सूची को पढ़े जाने के विषय में भी संबंधित अधिकारी से जानकारी प्राप्त की गयी एवं संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि आलेख्य मतदाता सूची की जानकारी समस्त मतदाताओं को हो इसके लिए प्रचार प्रसार किया जाए ताकि मतदाता सूची में विद्यमान त्रुटियों/ अशुद्धियों के संबंध में जानकारी होने पर नियमानुसार संशोधन की कार्यवाही की जा सके। मण्डलायुक्त द्वारा बीएलओ से अद्यतन मतदाता सूची के साथ फार्म संख्या 6,7, एवं 8 एवं घोषणापत्र (अनुलग्नक 4)की जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी अर्ह युवा / महिला / छूटे हुए व्यक्तियों के नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित करने हेतु फार्म 6 एवं घोषणापत्र (अनुलग्नक 4) भरवा कर वांछित दस्तावेजों सहित जमा कराया जाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी एवं एईआरओ/ तहसीलदार रवि सोनकर एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवविवाहिता ने ससुर सहित परिवार पर लगाऐ गंभीर आरोप

पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपकर लगाई न्याय की गुहार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में नवविवाहिता ने अपने ससुराल वालों पर दहेज की मांग, शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना और दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाते हुए पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक, सम्भल को दिए लिखित प्रार्थना पत्र में बताया कि विवाह के बाद से ही ससुराल वाले अतिरिक्त दहेज के लिए उसे लगातार तंग कर रहे थे। पीड़िता ने बताया कि उसका विवाह लगभग 8 माह पहले 15 मई 2025 को राजेश पुत्र वीरपाल से हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। विवाह में उसके पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार घरेलू सामान, सोने-चांदी के आभूषण दिए और कुल लगभग 15 लाख रुपये खर्च किए। लेकिन ससुर वीरपाल, सास सुनीता, पति राजेश और उनके परिचित जबेर इससे संतुष्ट नहीं हुए और लगातार अतिरिक्त दहेज की मांग करते रहे। शिकायत

के अनुसार, मांग पूरी न करने पर पीड़िता को कई बार मारपीट कर घर से निकाला गया। पंचायत के जरिए समझौता होता रहा, लेकिन स्थिति नहीं सुधरी। पीड़िता ने बताया कि 12 अक्टूबर को ससुर वीरपाल ने घर में अकेला पाकर छेड़छाड़ की और दहेज न लाने पर हमबिस्तर होने की धमकी दी। विरोध करने पर अश्लील हरकतें कीं। इसकी जानकारी पति और सास को देने पर उन्होंने ससुर का ही साथ दिया। मामला 2 जनवरी की रात को चरम पर पहुंचा, जब सभी आरोपियों ने मिलकर दहेज की मांग की। मना करने पर ससुर वीरपाल ने कमरे में घुसकर मारपीट की और जबरन दुष्कर्म किया, जबकि बाकी लोगों ने दरवाजा बंद रखा। इसके बाद पीड़िता को दो दिन तक हाथ-पैर बांधकर कमरे में बंधक बनाकर रखा और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने किसी तरह अपने भाई को फोन कर घटना बताई। उसके मामा और ग्रामीणों की मदद से उसे मुक्त कराया गया। आरोपियों ने उसके गहने भी छीन लिए और बिना अतिरिक्त दहेज के लौटने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने कहा कि उसे जान-माल का गंभीर खतरा है और मजबूर होकर पुलिस अधीक्षक के पास शिकायत लेकर आई है। प्रार्थना पत्र में सभी आरोपियों के खिलाफ दहेज में मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह छात्रों ने निकाली जागरूकता रैली, ली शपथ

संभल(सब का सपना):- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के उपलक्ष्य में जनपद में यातायात पुलिस द्वारा सक्रिय अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में शनिवार को महात्मा गांधी मेमोरियल डिग्री कॉलेज तथा हिंद इंटर कॉलेज में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें हेलमेट, सीट बेल्ट का उपयोग, गति सीमा का पालन, मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने और शराब पीकर वाहन न चलाने जैसे महत्वपूर्ण नियमों के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने सुरक्षित यातायात अपनाने तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की शपथ ली। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण

यातायात जागरूकता रैली रहा, जिसमें सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। रैली के माध्यम से शहरवासियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया और आमजन से अपील की गई कि वे यातायात नियमों का पालन करके न केवल अपनी, बल्कि दूसरों की जान भी बचा सकते हैं। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और जन-जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को यदि शुरूआत से ही सही आदतें सिखाई जाएं, तो सड़कों पर होने वाली अनावश्यक दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। यह कार्यक्रम सड़क सुरक्षा - जीवन रक्षा की भावना के साथ आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षा विभाग, यातायात पुलिस और युवाओं का सहयोग सराहनीय रहा।

ऐसे कार्यक्रमों से उम्मीद है कि संभल जिले में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता का स्तर और बढ़ेगा तथा दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आएगी। सुरक्षित ड्राइविंग अपनाएं, जीवन बचाएं!

विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची पढ़कर सुनाई गई

बिजनौर (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में अर्हता तिथि एक जनवरी दो हजार छब्बीस के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची को रविवार को जनपद की सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाया गया। इस अवसर पर प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा ग्राम सभा एवं वार्ड समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें मतदाता सूची को उपस्थित ग्रामीणों और नागरिकों के समक्ष पढ़ा गया। कार्यक्रम के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराए जाएं। ऐसे सभी पात्र नागरिक,

जिनका नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, उनसे आवश्यक प्रपत्र भरवाकर तथा घोषणा पत्र सहित नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया को प्राथमिकता देने को कहा गया। विशेष रूप से अठारह वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिन मतदाताओं के नाम आलेख्य मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, वे संबंधित बूथ लेवल अधिकारी को आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रपत्र उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही मतदाता सूची को जनसामान्य के अवलोकन के लिए जनपद की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है, ताकि नागरिक स्वयं अपने नाम की जांच कर सकें। यदि किसी मतदाता का नाम सूची में छूट गया है, नाम हटवाना है अथवा नाम, पता या मतदान केंद्र में कोई संशोधन या स्थानांतरण कराना है, तो इसके लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्र भरकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी को जमा कराया जा सकता है। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दावा एवं आपत्ति की अवधि छह जनवरी दो हजार छब्बीस से छह फरवरी दो हजार छब्बीस तक निर्धारित की गई है। आवेदन प्रपत्र मतदान केंद्रों पर नियुक्त अधिकारियों, तहसील कार्यालय अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए मोबाइल अनुप्रयोग और आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से भी आवेदन प्रस्तुत करने की सुविधा दी गई है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने मताधिकार को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई अवश्य करें।

वकालत के क्षेत्र में नई पीढ़ी की मजबूत दस्तक

बिजनौर (सब का सपना) ओमपाल सिंह:- जिले के स्योहारा क्षेत्र के लिए यह गर्व का क्षण है। स्योहारा क्षेत्र के युवा अधिवक्ता फहीम खान, साकिब सिद्दीकी, फैजी तैयब और इंजिमाम अहमद ने ऑल इंडिया बार परीक्षा सफलतापूर्वक पास कर ली है। इस सफलता से इनके परिवारों के साथ-साथ स्थानीय बार एसोसिएशन में खुशी का माहौल है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा 30 नवंबर 2025 को आयोजित ऑल इंडिया बार परीक्षा के परिणाम 7 जनवरी 2026 को घोषित किए गए थे। देशभर से लाखों कानून स्नातकों ने इस परीक्षा में भाग लिया, जिसमें कुल पास प्रतिशत 69.21 रहा। इतनी कठिन प्रतियोगिता में इन चारों युवाओं का सफल होना उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अध्ययन का प्रमाण है। फहीम खान, साकिब सिद्दीकी, फैजी तैयब और

इंजिमाम अहमद चारों युवक सक्रिय रूप से प्रैक्टिस कर रहे हैं और वकालत के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। स्थानीय अधिवक्ताओं ने सभी को बधाई दी। वरिष्ठ अधिवक्ताओं का कहना है कि ऑल इंडिया बार परीक्षा पास करना आसान नहीं होता, लेकिन इन युवाओं की लगन ने उन्हें सफलता दिलाई। चारों अधिवक्ताओं ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, गुरुजनों और शुभचिंतकों को दिया और कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए नई जिम्मेदारी और नई शुरूआत है। वे ईमानदारी से न्याय व्यवस्था में योगदान देकर आम लोगों की सेवा करना चाहते हैं। उनकी यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी।

बिजनौर में कबड्डी का नया अध्याय, 22 जनवरी से होगी लीग

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर अब कबड्डी खिलाड़ियों की नर्सरी बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी स्टार खिलाड़ी राहुल चौधरी अपनी आरसी विदुर एकेडमी बिजनौर के माध्यम से जिले के युवाओं को कबड्डी के गुर सिखाकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करने में जुटे हैं। उनके मार्गदर्शन में बिजनौर के युवाओं में कबड्डी को लेकर नया जोश और आत्मविश्वास देखने को मिल रहा है। वर्तमान समय में बिजनौर के चार खिलाड़ी नेशनल और प्रो कबड्डी लीग टीमों में खेल रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। राहुल चौधरी का कहना है कि आने वाले समय में बिजनौर के खिलाड़ी

देश की अधिकांश कबड्डी लीग टीमों में खेलते हुए नजर आएंगे। जिले के गांवों से सैकड़ों युवा कबड्डी खिलाड़ी बनने के सपने के साथ मैदान में पसीना बहा रहे हैं। जरूरत केवल सही प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की है, जिसे आरसी विदुर एकेडमी उपलब्ध करा रही है। इसी कड़ी में बिजनौर में 22 जनवरी 2026 से 25 जनवरी 2026 तक आर सी विदुर कबड्डी लीग बिजनौर का आयोजन वीकेआईटी कॉलेज के खेल मैदान में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में आठ टीमें भाग लेंगी। टूनामेंट के दौरान प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खेल की बारीकियां, जीत की रणनीतियां और पेशेवर स्तर की ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे भविष्य में राष्ट्रीय टीम में स्थान बना सकें। राहुल चौधरी ने बताया कि लक्की धनखड़, सुशांत चौधरी, मोहम्मद अमान, शगुन धनखड़ और शिवम चौधरी जैसे उभरते खिलाड़ी पहले ही नेशनल और प्रो कबड्डी लीग में खेलकर बिजनौर और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। इस लीग में भाग लेने वाली आठ टीमों को जिले के प्रमुख समाजसेवी अरुण कुमार, संदीप चौधरी, शंकरलाल और ए.के. सिंह द्वारा प्रायोजित किए जाने की घोषणा से खिलाड़ियों में उत्साह और बढ़ गया है। कबड्डी के प्रति बढ़ते जुनून और अनुभवी मार्गदर्शन के चलते बिजनौर अब कबड्डी के नए दिग्गज तैयार करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

चांदपुर में चोरों ने बंद पड़े मकान में की चोरी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के कस्बा चांदपुर में एक बंद मकान को निशाना बनाकर चोरों ने हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। अज्ञात चोर ममटी के रास्ते मकान में घुसे और सोने के आभूषण, नकदी, मोबाइल फोन और गैस सिलेंडर लेकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटना चांदपुर थाना क्षेत्र की अंबेडकर चौकी के अंतर्गत फीना कॉलोनी की है। यहां फाजिल अहमद का मकान है, जो सऊदी अरब में नौकरी करते

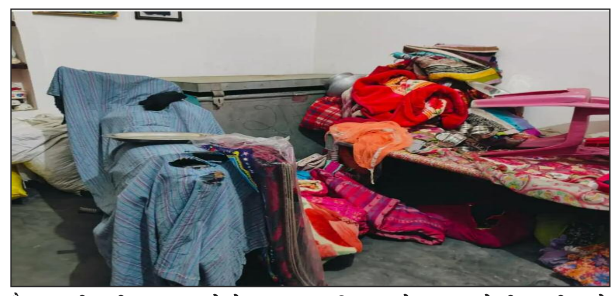

हैं। उनकी पत्नी शमा बच्चों के साथ इसी मकान में रहती हैं। बताया गया कि एक जनवरी से बच्चों की स्कूल छुट्टियों के चलते शमा अपने बच्चों के साथ रिश्तेदारी में गई हुई थीं। रविवार दोपहर पड़ोसी वकील ने मकान की ममटी का जंगला खुला देखा, जिसके बाद उन्होंने शमा को फोन पर सूचना दी। दोपहर करीब ढाई बजे जब शमा घर पहुंचीं तो अंदर का सामान बिखरा पड़ा था और चोरी की जानकारी हुई। चोरों ने मुख्य गेट का ताला नहीं तोड़ा, बल्कि ममटी का जंगला खोलकर घर में प्रवेश किया। चोर घर से पंद्रह हजार रुपये नकद, सोने की चेन पेंडल, सोने की बाली, सोने की गिट्टी, एक मोबाइल फोन और एक गैस सिलेंडर चुरा ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और पीड़िता को थाने आकर तहरीर देने को कहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सपा युवजन सभा के जिला उपाध्यक्ष बने अर्श

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला शेखान निवासी अर्श पुत्र शरीफ अहमद को समाजवादी पार्टी युवजन सभा में जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। यह मनोयन युवजन सभा के जिला अध्यक्ष हनी फैसल द्वारा किया गया। बताया गया कि अर्श को यह जिम्मेदारी समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

अदनान राईन की सिफारिश पर सौंपी गई है। संगठन को मजबूती देने और युवाओं को पार्टी से जोड़ने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया। नवमनोनीत जिला उपाध्यक्ष अर्श ने पार्टी नेतृत्व और जिला अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से संगठन के लिए कार्य करेंगे तथा समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे। उनके मनोनयन पर पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाइयां दीं।

नए वोटर जोड़ने की प्रक्रिया तेज, फॉर्म 6 जरूरी

बढ़ापुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पंचायत बढ़ापुर में उपजिलाधिकारी विजय शंकर की अध्यक्षता में बीएलओ और सभासदों के साथ एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें नए मतदाता बनाए जाने की प्रक्रिया को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में स्पष्ट किया गया कि नए वोटर को फॉर्म नंबर 6 भरकर पंजीकृत किया जाएगा और इस प्रक्रिया में आवश्यक पहचान पत्र एवं औपचारिकताएँ पूरी करना अनिवार्य है। बीएलओ ने उपस्थित सभी सवालों का जवाब दिया, ताकि हर नए मतदाता को जोड़ने में कोई बाधा न आए। बैठक में जन्मपत्री को लेकर भी सवाल उठे। अनपढ़ और गरीब लोगों के लिए, जिनके पास

स्कूल की मार्कशीट या पासपोर्ट जैसी पहचान नहीं है, जन्मतिथि प्रमाण पत्र बनवाना कठिन हो गया है। लेकिन सवाल उठाने वालों को संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसी दौरान कुछ सभासदों ने अलाव जलाने की व्यवस्था में असुविधाओं की शिकायत की। उपजिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि अलाव व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मौके पर ही ठेकेदार को बुलाकर कड़ी चेतावनी दी गई। यह संकेत था कि प्रशासन बड़ी कार्रवाई करने के लिए गंभीर है। बैठक में नगर पंचायत चेयरमैन दिलशाद अंसारी, कई सभासद, बड़ी संख्या में बीएलओ और अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे। उपजिलाधिकारी ने सभी 18 वर्ष के नागरिकों से अपील की कि वे अपना वोट बनवाएं और अपने-अपने बीएलओ से तुरंत संपर्क करें। नगर पंचायत बढ़ापुर में आयोजित इस बैठक ने साफ कर दिया कि प्रशासन नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए गंभीर है, वहीं कुछ प्रक्रियात्मक कठिनाइयाँ और दस्तावेजों की बाधाएँ अभी भी चुनौती बनी हुई हैं। यह बैठक स्थानीय नागरिकों के लिए मार्गदर्शन और चेतावनी दोनों का संदेश लेकर आई, जिससे स्पष्ट हो गया कि अब न सिर्फ वोट बनवाना आसान होगा, बल्कि नियमों का पालन भी सख्ती से सुनिश्चित किया जाएगा।

चंगाई सभा को लेकर धर्म परिवर्तन के प्रयास का आरोप

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के गाँव भनौटी में चंगाई सभा के माध्यम से धर्म परिवर्तन के प्रयास का आरोप लगाते हुए हिंदू धर्म जागरण मंच के कार्यकर्ता मौके पर पहुँचे और सभा में शामिल लोगों को फटकार लगाते हुए समझाया।हिंदू धर्म जागरण मंच के निधि प्रमुख टीकम सिंह फौजी ने बताया कि गाँव भनौटी निवासी हरी सिंह सैनी के घर पर ईसाई मिशनरियों का सत्संग चल रहा था, जिसमें उनकी पत्नी आशा समेत कई लोग मौजूद थे। आरोप है कि चंगाई सभा

के नाम पर ईसाई मिशनरी गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। यह सत्संग गाँव सिपाहियोंवाला निवासी पास्टर अरुण कुमार सैनी द्वारा संचालित किया जा रहा था।सूचना मिलने पर धर्म जागरण मंच की टीम मौके पर पहुँची और सत्संग कर रहे लोगों को समझाया, साथ ही पुलिस को भी सूचना दी गई। मौके पर पहुँचकर पुलिस ने मामले की जांच की। इस संबंध में सीओ आलोक सिंह ने बताया कि धर्म परिवर्तन कराने की सूचना मिली थी, लेकिन जांच में धर्म परिवर्तन जैसी कोई गतिविधि नहीं पाई गई। पुलिस के अनुसार वहाँ केवल ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से सत्संग किया जा रहा था। मौके पर हिंदू धर्म जागरण मंच के विभाग सह संयोजक संजय कुमार, जिला प्रशासनिक प्रमुख मनोज चौहान, शेर सिंह भगत, मातृशक्ति से उमेश चौहान, दीपा बहन एवं मंचल देवी समेत बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग उपस्थित रहे।

गजरौला में गुरु गोविंद सिंह के प्रकाशोत्सव पर नगर कीर्तन का आयोजन

अखाड़ों के सदस्यों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नगर पालिका गजरौला में गुरु गोविंद सिंह के प्रकाशोत्सव पर रविवार को शहर में भव्य नगर कीर्तन का आयोजन कराया गया। पंच प्यारों की अगुवाई में शुरू हुए इस नगर कीर्तन ने पूरे शहर का माहौल भक्तिमय बना दिया। फूलों से सजी गुरु ग्रंथ साहिब की प्रकाश पालकी रथ इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रही।अखाड़े के करतबों ने और पंजाबी बैंड की धुनों ने पूरे नगर में समां बांध दिया ,वहीं नगर कीर्तन के दौरान अखाड़े के कलाकारों ने तलवारबाजी और गतका जैसे हैरतअंगेज करतब दिखाकर लोगों को रोमांचित किया और एक्स आर्मी पंजाबी बैंड की मधुर धुनों ने श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। नगर कीर्तन के मार्ग पर श्रद्धालु सफाई करते हुए और फूल बरसाते हुए चलते दिखाई दिए।इस नगर कीर्तन का शुभारंभ गजरौला चौपला स्थित गुरुद्वारा से किया गया जिसको नगर की चौपला पुलिस चौकी, मौहल्ला बस्ती,जलाल नगर,इंदिरा चौक, रमाबाई कॉलेज, खादगूर्जर चौराहा जैसे मुख्य मार्गों से होते हुए शाम को वापस गुरुद्वारा चौपला पहुंचकर संपन्न कराया गया।इस विशाल नगर कीर्तन में प्रशासन की तरफ से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए जिसके लिए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया।गुरु गोविंद सिंह के इस प्रकाशोत्सव ने गजरौला की सड़कों को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से भर दिया। सिक्ख समाज के लोगों के साथ अन्य लोगों ने भी इस आयोजन को बेहद उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया।

कांग्रेस ने मुमताज अली को सौंपी नई जिम्मेदारी, खेड़ा अफरौला से बनाया गया मण्डल अध्यक्ष

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कांग्रेस पार्टी ने 40-नौगांवा सादात विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत खेड़ा अफरौला से मुमताज अली को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस अवसर पर एक सादगीपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ओंकार सिंह कटारिया ने मुमताज अली को आधिकारिक नियुक्ति पत्र सौंपा और उन्हें मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी प्रदान की।नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष मुमताज अली ने इस मौके पर अपना संबोधन देते हुए कहा कि पार्टी ने

उन्हें जो महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है, उसे वे पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण भाव से निभाएंगे। उन्होंने स्पष्ट रूप से वादा किया कि वे कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों की रक्षा करेंगे तथा क्षेत्र की जनता के हितों के लिए कठोर संघर्ष जारी रखेंगे।यह नियुक्ति नौगांवा सादात मंडल में पार्टी कार्यकताओं के बीच नए उत्साह का संचार कर रही है।

मुमताज अली के नेतृत्व में अब संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा स्थानीय स्तर पर जन-समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने की योजना बनाई जा रही है। कांग्रेस पार्टी का मानना है कि इस तरह के सक्रिय नेतृत्व से क्षेत्र में पार्टी की जड़ें और गहरी होंगी।

सुमित कुमार की आशीर्वाद यात्रा से विरोधियों के हौंसले पस्त

चान्दपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के हल्दौर ब्लाक के वार्ड नंबर 2 से जिला पंचायत सदस्य पद के निर्दलीय प्रत्याशी सुमित कुमार की गांव गांव घर-घर आशीर्वाद यात्रा से विरोधियों के हौसले पस्त होते नजर आ रहे हैं। सुमित कुमार की आशीर्वाद यात्रा एवं उनके कुशल व्यवहार से क्षेत्र की जनता इतनी भावुक हो गईं है।कि वह अब क्षेत्र की जनता के दिलों में बसे हैं। सुमित कुमार की गांव-गांव,और घर-घर आशीर्वाद यात्रा इन दिनों पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। जनता का अपार प्रेम और विश्वास देखकर विरोधी खेमे में खलबली मची हुई है, वहीं कई प्रत्याशियों के हौसले पूरी तरह परास्त हो चुके हैं। सुमित कुमार जिस भी गांव में पहुंचते हैं, वहां मानो जनसैलाब उमड़ पड़ता है। लोग उन्हें अपने

घर ले जाने की ज़िद करते हैं, बुजुर्ग आशीर्वाद देते हैं, महिलाएं भावुक हो उठती हैं और युवा उन्हें अपना सच्चा साथी बताते हैं। सुमित कुमार विनम्रता के साथ हर घर पहुंचते हैं, और अपने बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेते हैं, तथा लोगों का हाल-चाल पूछते हैं और उनकी समस्याओं को भी ध्यान से सुनते हैं। कई वर्षों से सुमित कुमार जनता के बीच रहकर उनकी आवाज बने हैं। उन्होंने आम आदमी की समस्याओं को निडर होकर उठाया, चाहे वह गरीब की पीड़ा हो या अन्याय के खिलाफ आवाज। आज उसी संघर्ष और सेवा का फल उन्हें जनता के आशीर्वाद के रूप में मिलता दिखाई दे रहा है। कुछ क्षेत्रीय लोगों के बताए अनुसार वर्तमान हालात यह हैं कि सुमित कुमार के सामने चुनाव लड़ना चाह रहे कई प्रत्याशी अब मैदान छोड़ चुके हैं। कुछ ने तो हार मानकर घर से निकलना तक बंद कर दिया है। वहीं दूसरी ओर सुमित कुमार की यात्रा हर दिन और अधिक मजबूत होती जा रही है।क्षेत्र की जनता का कहना है कि सुमित कुमार नेता नहीं, परिवार के सदस्य की तरह हैं। वह सुख-दुख में हमेशा साथ खड़े रहते हैं। यही कारण है कि उनकी यह आशीर्वाद यात्रा अब केवल एक चुनावी अभियान नहीं, बल्कि जनता और सुमित कुमार के बीच भावनात्मक रिश्ते की मिसाल बन चुकी है।

रक्तदान शिविर मे 24 वीरों ने किया रक्तदान

बढ़ापुर/बिजनौर (सब का सपना):- कस्बे में मानव सेवा की भावना को सशक्त करते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। यह शिविर हिंद ब्लड बैंक बिजनौर के संचालक मोहम्मद मशाहिर के मार्गदर्शन में मोहम्मद सादिक की लाइफ केयर पैथोलॉजी लैब पर आयोजित किया गया, जहां रक्तदान को लेकर लोगों में जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी का स्पष्ट संदेश देखने को मिला। कड़ाके की ठंड के बावजूद रक्तदान महादान में हिस्सा लेने से रक्तदान वीर पीछे नहीं हटे और पूरे उत्साह के साथ शिविर में शामिल होकर मानव सेवा का उदाहरण पेश किया। इस अवसर पर कुल 24 रक्तदान वीरों ने

स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंदों के लिए जीवन रक्षक योगदान दिया। इसी क्रम में नगीना से अधिवक्ता शादाब विशेष रूप से बढ़ापुर पहुंचकर रक्तदान शिविर में शामिल हुए, जिससे अन्य रक्तदाताओं का भी उत्साह बढ़ा और आयोजन को सामाजिक समर्थन मिला। रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए, साथ ही प्रोत्साहन स्वरूप हॉट स्टील इलेक्ट्रॉनिक केतली भेंट कर उनका सम्मान किया गया। आयोजन में इकरा, निदा परवीन, रियाज हुसैन और अनुज पुंडीर की सक्रिय भूमिका रही, जबकि कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में संचालक मोहम्मद मशाहिर और मोहम्मद सादिक का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम के संचालन में हिंद ब्लड बैंक बिजनौर से मोहम्मद मशाहिर, अनुज पुंडीर, इकरा, निदा परवीन, रियाज हुसैन तथा लाइफ केयर पैथोलॉजी लैब से अजीम , रहबर और नगीना से मुजम्मिल अजीम , आफाक अंसारी का भरपूर सहयोग रहा।

हरियाणा में अब हर अफसर व कर्मचारी के खिलाफ जांच से पहले इजाजत जरूरी

हरियाणा : अब सरकारी अधिकारी व कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों पर जांच एजेंसी सीधे कार्रवाई नहीं कर सकेगी। पहले उच्च अधिकारी से स्वीकृति जरूरी होगी। मगर रंगे हाथ पैसे लेने वाले वाले मामलों में पहले की तरह कार्रवाई जारी रहेगी। हरियाणा सरकार ने अधिकारियों व कर्मचारियों से संबंधित भ्रष्टाचार के मामलों में जांच के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की है। इसके तहत भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने पर अब सरकारी अधिकारी व कर्मचारी के खिलाफ जांच या पूछताछ से पहले सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि यह फैसला उन मामलों में लागू नहीं होगा, जहां अधिकारी व कर्मचारी रंगे हाथ पकड़े जाएंगे। भ्रष्टाचार के मामलों में जांच के लिए केंद्र सरकार ने हरियाणा समेत सभी राज्यों को नए दिशा-निर्देश जारी किए थे। इन निर्देशों का अध्ययन करने के बाद हरियाणा सरकार ने सभी विभागों को जांच से संबंधित एसओपी लागू करने के निर्देश दिए हैं। अब ऐसे मामलों में जांच के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 17ए की पालना जरूरी है। यह एसओपी उन सभी लंबित मामलों में भी लागू होगी, जिसमें अभी तक धारा 17ए के तहत अनुमति नहीं ली गई है। जांच की अनुमति मुख्य सचिव के स्तर पर ही दी जाएगी। वहीं, दूसरी एजेंसी के मामलों में संबंधित अधिकारी के प्रशासनिक विभाग को ही सक्षम प्राधिकारी माना जाएगा। नई एसओपी का मकसद यही है कि किसी भी अधिकारी को बेवजह प्रताड़ित न किया जाए। पुख्ता सबूत के बाद ही कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाए। एसओपी में यह भी प्रावधान किया गया है कि शिकायत की पहले जांच की जाएगी। उसके बाद संबंधित अधिकारी से पूछताछ व जांच के लिए अनुमति मांगी जाएगी। सिंगल विंडो के जरिये ही अनुमति ली जाएगी। नई एसओपी में यह भी तय कर दिया गया है कि जांच की अनुमति पर फैसला तीन महीने के भीतर लेना होगा। विशेष परिस्थितियों में एक महीने का समय बढ़ाया जा सकता है, मगर इस बारे में लिखित में बताना होगा। वहीं, एसओपी में यह भी निर्देश दिया गया है कि तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों के भ्रष्टाचार के मामलों में जांच की अनुमति की जिम्मेदारी प्रशासनिक अधिकारी निचले अधिकारी को सौंप सकते हैं। मगर एसओपी के अनुपालन की जिम्मेदारी संबंधित प्रशासनिक विभाग की रहेगी।

मनरेगा को कमजोर कर गरीबों के अधिकार छीने जा रहे हैं- कुमारी सैलजा

चंडीगढ़/डबवाली : कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं सांसद कुमारी सैलजा ने आज सिरसा जिले के डबवाली में कांग्रेस कार्यकताओं से मुलाकात कर जनसमस्याएं सुनीं। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने पश्चिम बंगाल की घटनाओं का उल्लेख करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह बात अब देश से छिपी नहीं है कि चुनाव आते ही भाजपा सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ तेज कर देती है। विशेषकर उन राज्यों में जहां भाजपा की सरकार नहीं है, वहां इस तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल इसका स्पष्ट उदाहरण है, जहां चुनाव से पहले सरकार को अस्थिर करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह भाजपा का लोकतंत्र में अविश्वास दर्शाता है, जो अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीबों और वंचित वर्गों के साथ मजबूती से खड़ी रही है। यूपीए सरकार के समय डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में मनरेगा को कानून बनाकर ग्रामीण गरीबों को 100 दिनों के रोजगार का अधिकार दिया गया था और इसका पूरा वित्तीय भार केंद्र सरकार उठाती थी। वहीं सैलजा ने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार ने मनरेगा की मूल भावना को कमजोर कर दिया है। पंचायतों और राज्यों के अधिकार छीने जा रहे हैं

और अब राज्यों पर 40 प्रतिशत हिस्सेदारी डालकर इस योजना को निष्प्रभावी बनाया जा रहा है, जबकि गांवों में पूरे वर्ष रोजगार के अवसर पहले से ही सीमित हैं। इससे साफ है कि भाजपा सरकार की नीतियाँ अमीरों के पक्ष में हैं और गरीबों की आजीविका व सम्मान के प्रति गंभीर नहीं हैं। कांग्रेस पार्टी गरीबों के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता से संघर्ष करती रहेगी। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. के.वी. सिंह, जग्गा सिंह बराड़, राजेश चडीवाल, संदीप नेहरा, कुंवरवीर हिटलर एवं इंदर जैन सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

हरियाणा की अफसरशाही में जल्द हो सकता है बदलाव

चंडीगढ़ः हरियाणा की अफसरशाही में जल्द ही बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। कई अफसरों के विभागों में बदलाव हो सकता है। सरकार कुछ समय के लिए मुख्य सचिव का कार्यभार भी किसी अन्य अधिकारी को सौंप सकती है। ऐसे में मुख्य सचिव की कुर्सी संभालने के लिए कौन-कौन से अधिकारी रेस में हैं इस पर भी चर्चा शुरू हो गई है। मेजर हार्ट अटैक की वजह से मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की बाईपास सर्जरी हुई है। इसकी वजह से उन्हें 6 से 12 हफ्ते तक बेड रेस्ट करना पड़ सकता है। मुख्य सचिव का कार्यभार संभालने के साथ अनुराग रस्तोगी के पास वित्त विभाग का भी कार्यभार है। सरकार बजट की तैयारी में जुटी है जिसका पूरा खाका अनुराग रस्तोगी ही खींचते थे। पूरी बजट प्रक्रिया में अनुराग रस्तोगी की भूमिका अहम रहती थी। वहीं राज्य में निकाय चुनाव भी होने हैं। इसकी भी तैयारी सरकार कर रही है। ऐसे में प्रदेश सरकार को इस कार्य के लिए जल्द ही किसी अधिकारी को मुख्य सचिव व वित्त विभाग का कार्यभार देना होगा। यदि सरकार ऐसा कोई कदम उठाती है तो ऐसी स्थिति में सैनी सरकार बरिष्ठ आईएएस सुमिता मिश्रा, सुधीर राजपाल या अरुण गुप्ता को अतिरिक्त कार्यभार सौंप सकती है। सुमित्ता मिश्रा की संभावना प्रचल है क्योंकि यह मुख्य सचिव की लिंक ऑफिसर है और शुक्रवार को मुख्य सचिव को अनुपस्थिति पर उन्होंने सभी बैठकों की अध्यक्षता भी की थी। वहीं, विभागाध्यक्ष स्तर से लेकर उपायुक्त स्तर पर भी फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। ऊर्जा विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे डॉ. श्यामल मिश्रा की केंद्र में प्रतिनियुक्ति हो चुकी है। वह भी सरकार को निर्णय लेना है।

पलवल में दिनदहाड़े पॉश एरिया में अवैध कब्जे का प्रयास, इस मंत्री के करीबियों पर लगे आरोप

पलवल : पलवल में आये दिन अवैध कब्जों के मामले सामने आ रहे हैं। अब अवैध कब्जे के प्रयास का ताजा मामला पलवल के हुड्डा सेक्टर 2 से सामने आया है। हुड्डा सेक्टर- 2 की ग्रीन बेल्ट पर पहले तो नगर परिषद द्वारा कूड़ा डाला गया और अब कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जे का प्रयास किया जा रहा है जिसको लेकर सोसाइटी के निवासियों में नाराजगी है। जानकारी देते हुए हुड्डा सेक्टर में रहने वाले निवासियों ने बताया कि लुक्का क्लब की ओर से यहां पर अवैध कब्जे का काम किया जा रहा है।

लुक्का क्लब यहां पर अवैध रूप से अपना कार्यालय बनाना चाहते हैं जिसका वह पुरजोर विरोध करते हैं। इस मामले की जिला प्रशासन से भी सोमवार को शिकायत की जाएगी। स्थानीय लोगों द्वारा अवैध कब्जे के प्रयासों का आरोप खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम के करीबियों पर लगाया है। उन्होंने कहा कि मंत्री गौरव गौतम के करीबी इंद्रपाल शर्मा और उसके कुछ सहयोगी जबरन अवैध कब्जा करने पर उतारू हैं और धमकियां दे रहे हैं। वहीं इस अवैध कब्जे को लेकर कांग्रेस जिला अध्यक्ष नेत्रपाल अधाना ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी की सरकार में एक तरफ जहां आम लोगों के आशियाने तोड़े जा रहे हैं वहीं सरकार से जुड़े लोग अवैध कब्जे खुलेआम कर रहे हैं उन पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही जो बेहद निंदनीय है। आपको बता दें कि यह अवैध कब्जा उस जगह किया जा रहा है जहां कुछ ही महीनों पहले खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने फायर ब्रिगेड कार्यालय के बनने वाले भवन का उद्घाटन किया था।

इस वजह से हुई थी किसान की मौत, अब बीमा कंपनी को देने होंगे 30 लाख रूपए

यमुनानगर : उपभोक्ता फोरम ने स्पष्ट किया कि खेतों में कीटनाशक छिड़काव के दौरान जहर शरीर में जाने से हुई मौत को दुर्घटना माना जाएगा, न कि आत्महत्या। यह निर्णय चनेटी निवासी सुमन देवी, उसके बेटे आर्यन कालिया की याचिका पर दिया गया। आयोग ने ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी को आदेश दिया कि मृतक के परिवार को 30 लाख रुपये की बीमा राशि सात प्रतिशत ब्याज के साथ दें। इसके साथ ही मानसिक क्षतिपूर्ति के रूप में 21 हजार रुपये देने का भी आदेश दिया गया। याचिका में बताया था कि भारतीय सेना से सेवानिवृत्त गांव चनेटी निवासी नरेंद्र कुमार हरियाणा पुलिस में एसपीओ थे। 31 जनवरी 2023 को खेत में कीटनाशक का - छिड़काव करने गए थे। काफी देर तक जब वह खेत से नहीं लौटे तो - उनका भाई देखने गया।

नरेंद्र कुमार खेत में बेहोश मिले। उन्हें अस्पताल में लेकर गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। नरेंद्र कुमार का वेतन खाता स्टेट बैंक आफ इंडिया में था। इसलिए वह 30 लाख रुपये के ओरियंटल इंश्योरेंस कंपनी के ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस के तहत कवर थे। उनकी मौत को लेकर बीमा कंपनी में क्लेम का दावा करने पर बीमा कंपनी ने यह कहकर दावे को खारिज कर दिया था कि मृतक ने जानबूझकर जहर निगला है जो पालिसी के नियमों के तहत आत्महत्या या आत्मचोट की श्रेणी में आता है। कंपनी ने एक निजी अन्वेषक और एक पूर्व फारेंसिक निदेशक की राय का हवाला देते हुए तर्क दिया था कि छिड़काव के दौरान जहर का शरीर में जाना मुमकिन नहीं है, इसे जानबूझकर पिया गया होगा। इसके बाद आयोग में याचिका दाखिल की गई। आयोग ने सुनवाई करते हुए पाया कि छिड़काव के दौरान सांस के जरिए या त्वचा के संपर्क से जहर का अंदर जाना एक अचानक होने वाली दुर्घटना है।

आईएएस विजय दहिया के खिलाफ नहीं चलेगा भ्रष्टाचार का मुकदमा, हरियाण सरकार ने लिया बड़ा फैसला

चंडीगढ़ः साल 2001 बैच के आईएएस अधिकारी बिजय दहिया के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा अब नहीं चलेगा। हरियाणा सरकार ने राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को उनके खिलाफ अभियोजन की अनुमति देने से इन्कार कर दिया है। सरकार के इस फैसले के बाद दहिया के खिलाफ अदालत में चालान भी दायर नहीं हो सकेगा।

एसीबी ने जुलाई 2024 में दहिया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी और इसके बाद दो बार रिमाइंडर भी भेजे गए। मामले की समीक्षा के बाद राज्य सरकार ने पाया कि एसीबी ने एफआईआर दर्ज करने से पहले भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत आवश्यक सरकारी मंजूरी नहीं ली थी। जांच एजेंसी आईएएस अधिकारी और अन्य आरोपियों के बीच कथित लेनदेन की कड़ी को भी स्थापित करने में विफल रही। इन्हीं आधारों पर राज्य सरकार ने अभियोजन की मंजूरी देने से इन्कार कर दिया। इससे पहले सरकार आईएएस अधिकारी जयवीर आर्य के खिलाफ भी मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दे चुकी है। एसीबी ने 20 अप्रैल 2023 को युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग के तत्कालीन प्रशासनिक सचिव विजय दहिया, हरियाणा कौशल विकास मिशन के मुख्य कौशल अधिकारी (संविदा) दीपक शर्मा और पूनम चोपड़ा नामक महिला को इस मामले में नामजद किया था। एसीबी ने विजय दहिया को 10 अक्तूबर 2023 को गिरफ्तार किया था जिसके बाद वह 49 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहे। फतेहाबाद निवासी रिंकू मनचंदा जो हरियाणा कौशल विकास मिशन के तहत छात्रों को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करते थे, ने आरोप लगाया था कि कौशल विकास विभाग पर उनके लगभग 50 लाख रुपये बकाया थे, उस दौरान मुख्य कौशल अधिकारी दीपक शर्मा ने बिलों की मंजूरी के बदले पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगी और भुगतान के लिए दिल्ली निवासी पूनम चोपड़ा से मिलने को कहा।

यह भी दावा किया गया कि पूनम चोपड़ा की पहचान दहिया की जानकार के रूप में कराई गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, पूनम चोपड़ा ने बताया कि पांच लाख रुपये और पांच प्रतिशत कमीशन पर बात तय हो गई है। इसके बाद शिकायतकर्ता ने पूनम को दो लाख रुपये का भुगतान किया। शेष राशि देने की प्रक्रिया के दौरान एसीबी ने पूनम चोपड़ा को गिरफ्तार किया और बाद में विजय दहिया को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

हरियाणा में अब इन महिलाओं को भी मिलेगा 'लाडो लक्ष्मी योजना' का लाभ, सरकार ने बड़ी राहत

चंडीगढ़ः हरियाणा सरकार ने गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए हर महीने पेंशन ले रही महिलाओं को बड़ी राहत दी है। सरकार ने तीसरे और चौथे स्टेज के कैंसर, हीमोफिलिया, थैलेसीमिया और स्किल सेल एनीमिया से पीड़ित गरीब महिलाओं को भी 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' का लाभ देने का एलान किया है। जानकारी के अनुसार, गंभीर बीमारी से इलाज के लिए जहां हर महीने 3200 रुपये दिए जाते थे, वहीं लाडो लक्ष्मी योजना के तहत भी हर महीने 2100 रुपये और दिए जाएंगे। इसमें से 1100 रुपये बचत बैंक खाते में डाले जाएंगे, जबकि शेष 1000 रुपये सावधि बैंक खाते (आरडी) में जमा किए जाएंगे।सामाजिक न्याय, सशक्तीकरण एवं अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय (सेवा) विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी अनुपमा ने संशोधित लाडो लक्ष्मी योजना की अधिसूचना जारी कर दी है। सावधि खाता अधिकतम पांच साल के लिए संचालित किया जाएगा। प्रदेश सरकार चाहे तो इससे कम अवधि भी निर्धारित कर सकती है। इस योजना के तहत 1500 रुपये या उससे कम की राशि प्रति माह प्राप्त करने का विकल्प चुनने वाले लाभार्थियों को बचत बैंक खाते में 500 रुपये और आवर्ती जमा योजना में 1000 रुपये जमा किए जाएंगे। यह राशि उन्हें परिपक्वता पर ब्याज सहित दी जाएगी। वहीं, एक लाख 80 हजार रुपये तक सालाना आय वाले परिवारों की वह महिलाएं भी योजना में शामिल की जाएंगी, जिनके बच्चों ने दसवीं-बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हों। हालांकि, सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की माताओं को ही इसका लाभ मिलेगा। राष्ट्रीय पठन-बोध एवं संख्यात्मकता प्रवीणता पहल (निपुण भारत मिशन) के अंतर्गत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार, कक्षा 1, 2, 3 और 4 में कक्षा-स्तरीय दक्षता प्राप्त करने वाले छात्रों तथा कुपोषण से अपने बच्चों को कुपोषण से बाहर निकालने वाली माताएं भी योजना की पात्र होंगी। तीन से अधिक बच्चे होने पर योजना का लाभ नहीं मिलेगा। पेंशन के लिए महिलाओं को लाडो लक्ष्मी एप के माध्यम से चेहरे की पहचान करानी होगी।

खबर एक्सप्रेस

कृष्ण पाल गुर्जर का बयान, बोले- प्रदेश के नगर निकाय चुनाव के लिए भाजपा पूरी तरह से तैयार

बहादुरगढ़ : केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बहादुरगढ़ दौरे के दौरान प्रदेश के नगर निकाय चुनाव, पर्यावरण, अंतरराष्ट्रीय हालात और छात्र राजनीति को लेकर अहम बयान दिए। कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रदेश में होने वाले नगर निकाय चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर निगम चुनाव भाजपा पार्टी सिंबल पर लड़ेगी, जबकि नगर परिषद चुनाव पार्टी सिंबल पर कराए जाएं या नहीं, इसका फैसला जिला इकाई पर छोड़ा गया है। पर्यावरण को लेकर उन्होंने अरावली पहाड़ियों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि अरावली को बचाना बेहद जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है और अगर अरावली नहीं बची तो एनसीआर क्षेत्र में रहने वालों का जीना दूभर हो जाएगा। अंतरराष्ट्रीय हालात पर टिप्पणी करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ईरान और बांग्लादेश में बढ़ रही अराजकता दुनिया के लिए ठीक संकेत नहीं है। उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान बातचीत से ही निकाला जा सकता है।

मैं तेरा भाई बोल रहा हूं...ठग ने उपहार के बहाने उड़ाए 2.85 लाख रुपये

हिसार : हिसार जिले में अनोखी ठगी का मामला सामने आया है। ठग ने नकली भाई बन हिसार की महिला से करीब पौने 3 लाख रुपए की ठगी की। इस संबंध में युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायतकर्ता युवती ने बताया कि हिसार के बारह क्वार्टर रोड ढाणी किशनदत्त की रहने वाली है और मेहनत-मजदूरी करती है। 36 साल की महिला ने बताया कि करीब 10 साल पहले हरीश के साथ उसकी शादी हुई थी, जिससे मेरी एक लड़की है। महिला ने बताया कि मेरा पति मुझे शादी के बाद घर नहीं जाने देता था और मैं मेरे घर वालों से मिलने के लिए पटना जाना चाहती थी। महिला ने सुनाई आपबीती पीड़िता महिला ने बताया कि 30 दिसंबर 2025 को उसके फोन पर एक मैसेज आया। मैंने उस मोबाइल पर फोन किया तो मैसेज भेजने वाले ने बतलाया कि मैं तेरा भाई अमन बोल रहा हूं। मैंने अमन को अपना सगा भाई समझकर उससे बात करनी शुरू कर दी। 1 जनवरी को आरोपी ने वॉट्सऐप कॉल की और कहा कि बहन मैंने आपके लिए एक गिफ्ट भेजा है। आप उसके बदले मुझे 13,000 रुपए मोबाइल पर डाल दो। इसके बाद मैंने मेरे मालिक से डलवा दिए। इसके बाद मेरे मोबाइल पर फोन आया कि आपको गिफ्ट लेने के लिए 35 हजार रुपए और देने होंगे। महिला ने बताया कि 3 जनवरी को मेरे वॉट्सऐप पर फोन आया कि आपको गिफ्ट लेने के लिए 1 लाख 72 हजार रुपए देने होंगे। जो खाते से रुपए डलवा दिए। महिला ने बताया कि उसके साथ कुल 2 लाख 85 हजार रुपए की ठगी हुई है।

एक दिवसीय अनशन पर बैठे कांग्रेसी नेता, मनरेगा का नाम बदलकर जी राम जी करने पर जताया विरोध

रेवाड़ी : भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा योजना का नाम बदलकर जी राम जी किए जाने के बाद कांग्रेस लगातार हमलावर नजर आ रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी द्वारा आज देशभर में एक दिवसीय अनशन किया जा रहा है। रेवाड़ी में भी कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने गांधी चौक पर एक दिवसीय अनशन कर धरना दिया और सरकार के फैसले का विरोध जताया। अनशन स्थल पर उपस्थित रेवाड़ी के पूर्व विधायक चिरंजीव राव ने कहा कि सरकार के पास नई योजनाएं शुरू करने के लिए पर्याप्त अवसर हैं, लेकिन मनरेगा जैसी ऐतिहासिक और गरीबों से जुड़ी योजना का नाम बदलना निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार नाम बदलकर न केवल गरीबों के अधिकारों पर चोट कर रही है, बल्कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम और उनके विचारों का भी अपमान कर रही है। धरने से पूर्व कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने गांधी चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान गांधी जी अमर रहें और मनरेगा बचाओ जैसे नारे लगाए गए। वक्ताओं ने कहा कि मनरेगा योजना ने ग्रामीण गरीबों को रोजगार और सम्मान देने का काम किया है, जिसे कमजोर करने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मनरेगा का नाम बदलने और उसमें किए जा रहे कथित बदलावों को वापस नहीं लिया, तो पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी तथा गांव-गांव जाकर जनता को जागरूक किया जाएगा।

500 रुपए के नोट ने खोल दी देह व्यापार की पोल...मालिक और मैनेजर गिरफ्तार, 5 युवतियां रेस्क्यू

करनाल : करनाल जिले में पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सूचना मिलते ही एक पुलिसकर्मी को फर्जी ग्राहक बनाया और चिह्नित नोट देकर उसे स्पा सेंटर में भेजा। काउंटर से वह चिह्नित 500 रुपए का नोट बरामद हो गया। फर्जी ग्राहक के इशारे पर पुलिस ने स्पा सेंटर में रेड मारी। इसके बाद सेंटर के मालिक और मैनेजर को काबू किया गया। साथ ही स्पा सेंटर से 5 युवतियों को रेस्क्यू किया गया। जानकारी के मुताबिक यह मामला करनाल के असंध शहर में कैथल रोड पर स्थित लोटस स्पा सेंटर है। महिला थाना असंध की उप-निरीक्षक एवं प्रबंधक अधिकारी सुनीता के निर्देश पर शुक्रवार देर शाम यह कार्रवाई की गई, क्योंकि स्पा सेंटर से पुलिस को देह व्यापार की शिकायतें मिल रही थीं। युवतियों ने बताया है कि स्पा सेंटर का मालिक और मैनेजर उनसे स्पा की आड़ में देह व्यापार करवाते थे। कमाई के आधे पैसे युवतियों को और आधे पैसे स्पा सेंटर मालिक व मैनेजर को मिलते थे। इनसे पूछताछ जारी है।

शिक्षकों को दस्तावेज अपलोड करने के लिए एक और मौका, अब इस तारीख तक मिलेगा चॉस

चंडीगढ़ः मॉडल संस्कृति व पीएमश्री स्कूलों में नियुक्ति के लिए ली गई परीक्षा के परिणाम अटके हुए हैं। परीक्षा देने वाले कुछ शिक्षकों ने एमआईएस पोर्टल पर अपनी शैक्षणिक योग्यता का विवरण व आवश्यक दस्तावेज अपलोड नहीं किए जिससे उनके परिणाम अंतिम रूप जारी नहीं हुए हैं। अब ऐसे अभ्यर्थियों को राहत देते हुए दस्तावेज अपलोड करने के लिए दोबारा पोर्टल खोला जा रहा है। यह पोर्टल 12 जनवरी को रात 12 बजे बंद हो जाएगा। यह समयावधि केवल उन्हीं अभ्यर्थियों के लिए होगी जिनकी सूची विभाग द्वारा पहले ही जारी की जा चुकी है। अब पोर्टल बंद होने के बाद अपलोड किए गए दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा और उसके बाद मॉडल संस्कृति स्कूलों व पीएमश्री स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट का अंतिम परिणाम घोषित किया जाएगा। मालूम हो कि पहली बार मॉडल संस्कृति स्कूलों व पीएमश्री स्कूलों में नियुक्ति के लिए हरियाणा शिक्षा बोर्ड भिवानी की ओर से शिक्षकों की परीक्षा कराई गई थी। अब समस्या के समाधान और योग्य अभ्यर्थियों को राहत देने के उद्देश्य से विभाग ने एमआईएस पोर्टल को सीमित अवधि के लिए दोबारा खोलने का निर्णय लिया है। संबंधित उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे अपने लॉगिन के माध्यम से मॉडल संस्कृति व पीएमश्री स्कूलों के लिए आवेदन करें मॉड्यूल में जाकर सभी आवश्यक शैक्षणिक योग्यता से जुड़े दस्तावेज सही ढंग से अपलोड करें। निर्धारित समय के बाद किसी भी अभ्यर्थी को कोई और मौका नहीं दिया जाएगा।

डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस को मिली पहली जीत, दिल्ली कैपिटल्स को हराया

नवी मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने यहां महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट मुकाबले (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स को 50 रनो से हराकर अच्छी वापसी की है। मुंबई इंडियंस इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने पहले ही मैच में हार गयी थी। इस मैच में जीत से टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है जबकि दिल्ली कैपिटल्स अपना दूसरा मुकाबाल जीतकर सबसे नीचे है। मुंबई इंडियंस की टीम ने कैपिटल्स के खिलाफ 4 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए। अमेलिया केर अपना खाता भी नहीं खोल पायी। जी कमलिनी ने नैट साइवर-ब्रंट के साथ 32 गेंदों में 49 रन की बनाकर टीम को संभाला। कमलिनी 16 रन बनाकर पेवेलियन लौट। , इसके बाद साइवर-ब्रंट ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 66 रन बनाकर टीम को 117 रन तक पहुंचाया। साइवर-ब्रंट ने 70 रन बनाये। हरमनप्रीत ने नाबाद 74 रन जबकि निकोला ने 21 रन बनाये।

कैपिटल्स की ओर से नंदिनी शर्मा ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले, जबकि चिनेल हेनरी और श्री चरणी ने 1-1 विकेट हासिल लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 19 ओवरों में 145 रन ही बना पायी। टीम ने लिजेली ली का विकेट शुरुआत में ही खो दिया। ली ने 10 रन बनाये। इसके बाद शेफाली वर्मा ने भी केवल 8 रन बनाकर ही आउट हो गयीं। चिनेल हेनरी ने निकी प्रसाद के साथ छठे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने का प्रयास किया पर असफल रहीं। चिनेल हेनरी ने सबसे अधिक 56 रन बनाए, जबकि निकी प्रसाद ने 12 रन की बनाये। मुम्बई की ओर से निकोला कैरी और अमेलिया केर ने 3-3 विकेट।

मलेशिया ओपनः वर्ल्ड नंबर 1 शी चोट के कारण बाहर, थाईलैंड के विटिडसर्न बने चैंपियन

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। चीन के वर्ल्ड नंबर 1 शी यूकी रविवार को थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न के खिलाफ मलेशिया ओपन फाइनल के दौरान पीठ की चोट के कारण रिटायर हो गए। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन शी दर्द में खेल रहे थे, लेकिन पहला गेम 21-23 से हारने के बाद उन्होंने मैच छोड़ दिया। मैच के बाद उन्होंने कुनलावुत की तारीफ की।

उन्होंने कहा, 'कुनलावुत हमेशा से बहुत मजबूत खिलाड़ी रहे हैं और अभी दुनिया के टॉप खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके खिलाफ खेलना हमेशा एक सीखने वाला अनुभव होता है, खासकर इस तरह के फाइनल स्टेज पर।' महिला सिंगल्स फाइनल में, दक्षिण कोरिया की ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग ने चीन की वांग झेई को 21-15, 24-22 से हराया।

वांग ने कहा कि दूसरे गेम में उनके पास मैच पलटने के मौके थे, लेकिन अहम पलों में वह चूक गईं। उन्होंने कहा, 'जब मैं पिछड़ रही थी, तो मुझे बेहतर टैक्टिकल जवाब देने चाहिए थे। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मैं बेहतर प्रदर्शन करूंगी।' चीन ने लियू शेंगशु और टैन निंग, और फेंग यानझे और हुआंग डोंगपिंग के जरिए महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स के खिताब जीते। लियू और टैन ने महिला डबल्स फाइनल में दक्षिण कोरिया की बाएक हा-ना और ली सो-ही को 21-18, 21-12 से हराया, जबकि फेंग और हुआंग ने मिक्स्ड डबल्स फाइनल में अपने ही देश के जियांग झेनबांग और वेई याक्सिन को 21-19, 21-19 से हराया। पुरुष डबल्स में, दक्षिण कोरिया के किम वोन हो और सियो सेउंग जे ने मलेशिया के आरोन चिया टेंग फोंग और सोह वूई यिक को 21-15, 12-21, 21-18 से हराया।

52 साल के हुए द्रविड़ को जन्मदिन पर मिली बधाइयां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के भरोसेमंद बल्लेबाज राहुल द्रविड़ रविवार 11 जनवरी को 52 साल पूरे हो गए। द्रविड को इस अवसर पर क्रिकेट जगत के साथ ही प्रशंसकों ने भी शुभकामनाएं दी हैं। खेल हस्तियों और संगठनों ने उनके खेल करियर की उपलब्धियों, भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान और उनके शांत स्वभाव की प्रशंसा की है।

द्रविड़ अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण कठिन हालातों में भी भारतीय टीम की ढ़ाल बनकर सामने आये। वह टीम के कप्तान भी रहे। वह हमेशा ही एक शांत क्रिकेटर रहे। खेल से संन्यास के बाद कोच और कमेंटेटर के तौर पर भी वह खासे सफल रहे। आईपीएल में भी वह कई टीमों से जुड़े रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ अपने शुरुआती दिनों में क्रिकेट नहीं बल्कि हॉकी पसंद करते थे। प्लेयर बनने का था. वह स्कूल में हॉकी खेला करते थे। स्कूल टीम में वह सेंटर-हाफ के तौर पर खेलते थे। द्रविड़ राज्य की जूनियर टीम में भी रहे थे। एक दिन कोच ने अचानक ही उन्हें सेंटर-हाफ से हटाकर राइट-हाफ में खेलने भेज दिया। तब उन्हें लगा कि उनके खेल का स्तर अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, ÷हॉकी टीम में पोजीशन बदलने के बाद मेरे पास क्रिकेट में जाने का विकल्प था।.÷ इसी कारण उनका ध्यान क्रिकेट की ओर आ गया। इसके बाद उन्हें हॉकी से ज्यादा क्रिकेट में आनंद आने लगा और वह क्रिकेट में ही रम गये। जूनियर लेवल पर धीरे-धीरे उनकी पहचान बनने लगी। इसी दौरान नाम कोच केकी तारापोर की उनकी प्रतिभा का पहचाना और यहीं से उनका खेल में आगे बढ़ने का सफर शुरु हो गया। उन्हें 1990 में पहली बार कर्नाटक राज्य टीम में शामिल किया गया। घरेलू क्रिकेट में डेब्यू के बाद द्रविड़ को छह साल बाद भारतीय टीम में जगह मिल गयी। द्रविड़ ने अप्रैल, 1996 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय में डेब्यू का मौका मिला। जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। द्रविड़ ने भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ियों में जगह बनाने के साथ ही भारत के लिए 164 टेस्ट, 344 एकदिवसीय और 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलते हुए 52.31 की औसत से 13288 रन बनाए। उन्होंने 63 अर्धशतक और 36 शतक लगाये। टेस्ट में द्रविड़ के नाम 5 दोहरे शतक भी है। वहीं एकदिवसीय में द्रविड़ ने 10889 रन बनाए हैं। इस फॉर्मेट में उनके नाम 83 अर्धशतक और 12 शतक है। उनके खेल की सबसे बड़ी खूबी ये रही कि वह एक भरोसेमंद बल्लेबाज रहे हैं जब भी टीम संकटों में घिरी द्रविड़ ने उसे संभाला। कई शीर्ष गेंदबाज भी उनके सामने विफल रहे। इसी कारण उन्हें भारत की दीवार भी कहा जाता रहा है।

एशेज ट्रॉफी की कीमत सिर्फ 7.99 पाउंड: क्यों सबसे खास है क्रिकेट की यह जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी में इंग्लैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर एशेज पर कब्जा बरकरार रखा और क्रिकेट की सबसे पुरानी व प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्विता को नया अध्याय दे दिया। एशेज को सिर्फ एक द्विपक्षीय सीरीज़ कहना इसकी महत्ता को कम करके आंकना होगा। यह मुकाबला डेढ़ सौ साल से भी अधिक पुरानी परंपरा, राष्ट्रीय सम्मान और खिलाड़ियों की शारीरिक व मानसिक सहनशक्ति की अंतिम परीक्षा माना जाता है। हैरानी की बात यह है कि जिस ट्रॉफी के लिए इतनी कड़ी जंग होती है, उसकी वास्तविक कीमत महज़ 7.99 पाउंड, यानी लगभग 968 रुपये आंकी गई है, फिर भी इसकी प्रतिष्ठा किसी विश्व कप या आईसीसी ट्रॉफी से कम नहीं मानी जाती।

एशेज ट्रॉफी दरअसल एक छोटा सा कलश है, जिसे 1882 में इंग्लैंड की ऑस्ट्रेलिया से ऐतिहासिक हार के बाद प्रतीकात्मक रूप से बनाया गया था। मान्यता है कि इसमें जली हुई बेल्स की राख रखी गई है। आज विजेता टीम को जो ट्रॉफी सौंपी जाती है, वह मूल कप प्रतिकृति होती है, जबकि असली कलश लंदन के लॉर्ड्स म्यूज़ियम में सुरक्षित है। क्रिकेट इतिहासकारों और बोर्ड से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इसकी भौतिक कीमत बेहद मामूली है, लेकिन इसका भावनात्मक और ऐतिहासिक मूल्य अनमोल है।

इस बात का दिलचस्प खुलासा इंग्लैंड के महान तेज़ गेंदबाज़ जिमी एंडरसन ने अपनी आत्मकथा ÷फाइंडिंग दा ऐज÷ में किया है। एंडरसन ने 2009 की एशेज जीत के बाद का एक किस्सा साझा करते हुए बताया कि जश्न के दौरान जब वे और ग्रैम स्वान ट्रॉफी थामे हुए थे, तो उन्हें उसके नीचे कुछ चिपका हुआ महसूस हुआ। ट्रॉफी को पलटने पर पता चला कि उस पर अब भी प्राइज़ टैग लगा था, जिस पर 7.99 पाउंड लिखा हुआ था। जल्दबाज़ी में टैग हटाना तक भूल जाना इस बात का प्रतीक था कि एशेज जीतने की खुशी में खिलाड़ी हर छोटी-बड़ी चीज़ से बेखबर हो जाते हैं।

एशेज ट्रॉफी की कम कीमत अक्सर लोगों को चौंकाती है, लेकिन यही इसकी खूबी भी है। इस ट्रॉफी के लिए खिलाड़ी अपना करियर, शरीर और मानसिक संतुलन तक दांव पर लगा देते हैं। महीनों की थकान, चोटों का दर्द और अपार दबाव झेलने के बाद इसे जीतना ही असली पुरस्कार है। यही कारण है कि 7.99 पाउंड की यह ट्रॉफी भावनात्मक और ऐतिहासिक मायनों में क्रिकेट की सबसे महंगी और सबसे कठिन उपलब्धि मानी जाती है।

फीफा विश्व कप ट्रॉफी दिल्ली पहुंची, वर्ल्ड टूर के तहत तीन दिन भारत में रहेगी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 की असली ट्रॉफी शनिवार को अपने वर्ल्ड टूर के तहत भारत पहुंची, जो यहां तीन दिनों तक रहेगी। इस दौरान यह ट्रॉफी दो दिनों तक दिल्ली में रहेगी और उसके बाद इसे असम के गुवाहाटी ले जाया जाएगा। फीफा विश्व कप की शुरुआत 11 जून को होगी। विश्व कप ट्रॉफी लगभग 12 साल के बाद भारत आई है। इस ट्रॉफी टूर का आयोजन वैश्विक पेय कंपनी कोका-कोला कर रही है, जो फीफा विश्व कप की आधिकारिक भागीदार है। यहां आयोजित एक समारोह में ब्राजील के पूर्व विश्व कप विजेता खिलाड़ी और फीफा दिग्गज गिलबर्टो सिल्वा तथा केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की उपस्थिति में इस असली ट्रॉफी का अनावरण किया गया। इस अवसर पर मंडाविया ने कहा कि यह ट्रॉफी देश के युवाओं को फुटबॉल के खेल के प्रति प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में खेल एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनकर उभरा है। हम एक दशक के भीतर, यानी 2036 तक भारत को दुनिया के शीर्ष दस खेल राष्ट्रों में शामिल करने के लिए काम कर रहे हैं। कोका-कोला इंडिया और दक्षिण पश्चिम एशिया के अध्यक्ष संकेत रे ने कहा कि खेल राष्ट्र निर्माण का एक बहुत मजबूत और शक्तिशाली स्तंभ बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, इसकी वजह विकसित भारत 2047 के साथ निकटता से जुड़ी है, जहां युवा भारत विश्व मंच पर नेतृत्व करने, प्रतिस्पर्धा करने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए तैयार है। फीफा विश्व कप के साथ कोका-कोला का जुड़ाव खेलों और युवाओं पर इस राष्ट्रीय ध्यान को साकार करता है। उन्होंने बताया कि कोका-कोला 1978 से फीफा विश्व कप का आधिकारिक भागीदार रहा है और दुनिया भर में नियमित रूप से इसका प्रचार कर रहा है।

टॉप सीड एलिना स्वितोलिना ने ऑकलैंड का खिताब जीता

वेलिंगटन। टॉप-सीड एलिना स्वितोलिना ने रविवार को अपना 19वां WTA खिताब जीता, उन्होंने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में ACB क्लासिक फाइनल में चीन की वांग शिन्यू को 6-3, 7-6(8) से हराया। 31 साल की यूक्रेनी खिलाड़ी ने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए, पहले सर्व के 74 प्रतिशत पॉइंट जीते, और मैच का एकमात्र ब्रेक 4-2 पर वांग की सर्विस तोड़कर हासिल किया, जिसके बाद उन्होंने दूसरे सेट का टाईब्रेक जीता। स्वितोलिना ने 2025 के आखिर में चोट के कारण चार मैचों की हार का सिलसिला खत्म करते हुए WTA 250 इवेंट में लगातार पांच मैच जीते। एक घंटे और 42 मिनट तक चले मैच के बाद कोर्ट पर स्वितोलिना ने कहा, 'एक और खिताब जीतना वाकई बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर मेरे लिए साल के बहुत अच्छे अंत के बाद।' सातवीं वरीयता प्राप्त 24 साल की वांग ने शनिवार को सेमीफाइनल में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला को हराकर अपने करियर का दूसरा फाइनल खेला। वह इससे पहले पिछले जून में बर्लिन में घास के कोर्ट पर WTA फाइनल में पहुंची थीं, जहां उन्हें चेक खिलाड़ी माकेर्टा वोंद्रोसोवा से हार का सामना करना पड़ा था।

विराट कोहली सबसे तेज 28000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा

वडोदरा। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी फॉर्मेट में 28,000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बन गए और सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। अपने 624वें इनिंग में खेलते हुए कोहली ने न्यूजीलैंड के लेग-स्पिनर आदित्य अशोक की गेंद पर चौका लगाकर यह मुकाम हासिल किया। तेंदुलकर ने यह मुकाम अपने 644वें इनिंग में हासिल किया था, जबकि श्रीलंकाई दिग्गज कुमार संगकारा, जो 28000 रन क्लब में तीसरे खिलाड़ी हैं ने यह उपलब्धि अपने 666वें इनिंग में हासिल की थी। इस 37 साल के बल्लेबाज ने इस मैच से पहले इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी फॉर्मेट में 27975 रन के साथ उतरे थे। तेंदुलकर ने 782 इनिंग में 34357 रन बनाए जबकि संगकारा ने 666 इनिंग में 28016 रन बनाए। फरवरी 2023 में कोहली 25000 रन बनाने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बने थे। उन्होंने यह मुकाम 549 इनिंग में हासिल किया था जो तेंदुलकर से 28 इनिंग पहले था। अक्टूबर 2023 में कोहली 26000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बने। एक साल बाद सितंबर 2024 में उन्होंने अपने 594वें इनिंग में 27000 रन पूरे किए।

टी20 फॉर्मेट में भारत अलग चुनौती पेश करता है, वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचना तय

-क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने टीम इंडिया की घरेलू परिस्थितियों में मजबूती की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने टीम इंडिया की घरेलू परिस्थितियों में मजबूती और गहराई की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत जैसी टीम को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता और आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उसका सेमीफाइनल तक पहुंचना तय माना जा सकता है।

स्मिथ ने कहा कि घरेलू मैदानों पर खेला जाने वाला यह विश्व कप भारत को अतिरिक्त बढ़त देगा और टीम ट्रॉफी जीतने की प्रबल दावेदार है। हाल ही में भले ही दक्षिण अफ्रीका ने भारत को उसके घर में टेस्ट सीरीज हराई हो, लेकिन स्मिथ के मुताबिक टी20 फॉर्मेट में भारत अलग चुनौती पेश करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय टी20 टीम में आक्रामकता, गहराई और मैच जिताने की क्षमता है। स्मिथ ने यह कहा कि टेस्ट और टी20 क्रिकेट की परिस्थितियां और मांगें अलग होती हैं, इसलिए टेस्ट सीरीज के नतीजों को टी20 वर्ल्ड कप से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ग्रीम स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट में चल रहे बदलाव के दौर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में टीम एक नए फेज से गुजर रही है, जहां सीनियर खिलाड़ियों और नई पीढ़ी के बीच संतुलन बनाने की कोशिश हो रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह ट्रांजिशन कितनी तेजी और मजबूती से आगे बढ़ता है। हालांकि, स्मिथ का मानना है कि भारत की टैलेंट पूल इतनी मजबूत है कि किसी भी स्थिति में टीम प्रतिस्पर्धी बनी रहती है। उन्होंने कहा कि अगर भारत टॉप-4 में नहीं पहुंचता है तो यह उनके लिए हैरानी की बात होगी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत में अब एक महीने से भी कम समय बचा है और स्मिथ पहले से ही एक रोमांचक फाइनल की कल्पना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी ख्वाहिश है कि दक्षिण अफ्रीका फाइनल में भारत को हराकर खिताब जीते। स्मिथ के मुताबिक अगर टीम सही कॉम्बिनेशन के साथ उतरती है और मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज भारतीय परिस्थितियों में स्पिन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो दक्षिण अफ्रीका को इतिहास रचने का सुनहरा मौका होगा।

एस 20 मैच में लगी आग के बाद भी चलता रहा मैच

जोहांसबर्ग। यहां खेले जार हे एसए 20 के 19वें मैच के दौरान भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गयी हालांकि राहत की बात ये रही कि किसी की जान नहीं गयी। ये मामला पर्ल रॉयल्स और प्रीटोरिया कैपिटल्स के बीच हुए मैच का है। जा इय मैच के दौरन ही स्टेडियम की पार्किंग में आग लगने से स्टेडियम में बैठे प्रशंसक डर गये। आग पर किसी प्रकार से बचाव दल ने नियंत्रण कर हालात संभाले। आग के बाद भी मैच जारी रहा। इस मैच में प्रीटोरिया कैपिटल्स की टीम ने 21 रनों से जीत हासिल की। प्रीटोरिया कैपिटल्स की टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 138 रन बनाये। सबसे अधिक 42 रन शेरफन रदरफोर्ड ने बनाये। वहीं वहीं शाई होप ने 22 रन बनाये। रॉयल्स की तरफ से हारिस विल्जोन, डेन लॉरेंस और सिकंदर रजा ने दो-दो विकेट लिए जबकि नकोबानी मोकोएना ने एक विकेट लिया। इसके बाद 139 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पर्ल रॉयल्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर केवल 117 रन ही बना पायी। रॉयल्स की ओ से कप्तान डेविड मिलर ने सबसे अधिक 45 रन जबकि रुबिन हार्मेन ने 35 रन बनाए पर ये दोनो टीम को जीत तक नहीं पहुंचा पाये। वहीं गेंदबाजी में कैपिटल्स की ओर से केशव महाराज ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

मोलेइरो के शानदार प्रदर्शन की बदौलत विलारियल ने ला लिगा में एलवेस को हराया

बार्सिलोना। अल्बर्टो मोलेइरो के शानदार खेल से विलरियाल ने ला लिगा (स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) मैच में एलवेस को 3-1 से हराकर लीग तालिका में तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। कैनरी द्वीप समूह के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने मध्यांतर के बाद मैच का पहला और मौजूदा सत्र का अपना आठवां गोल दागा। अनुभवी स्ट्राइकर गेरार्ड मोरेनो ने 55वें मिनट में घरेलू टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। मोलेइरो ने इसके बाद टीम के तीसरे गोल की नींव रखी, जब उन्होंने दो डिफेंडरों के बीच से सटीक पास निकालकर जॉर्जिया के स्ट्राइकर जॉर्जेस मिकाउताद्जे के लिए मौका बनाया। मिकाउताद्जे ने गोल कर टीम को 3-0 से आगे कर दिया। एलवेस की ओर से टोनी मार्टिनेज ने 85वें मिनट में गोल कर हार के अंतर कम किया। इस जीत के बाद विलारियाल में तालिका पर शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना से आठ अंक और दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड से चार अंक कम हैं। वहीं, वह चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से तीन अंक आगे है। अन्य मैचों में गिरोना ने शनिवार को ओसासुना को 1-0 से हराया। तालिका में निचले स्थान पर काबिज रियाल ओविएदो ने रियाल बेटिस को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया।

न्यूजीलैंड सीरीज़ से बढ़ी हलचल, क्या 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक खेलेंगे विराट और रोहित

नई दिल्ली(एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा के न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के लिए टीम इंडिया से जुड़ते ही भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर 2027 वनडे वर्ल्ड कप को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। जिस तरह से दोनों सीनियर बल्लेबाज़ हाल के महीनों में फिटनेस, फॉर्म और मैदान पर भूख के साथ नज़र आए हैं, उससे यह साफ संकेत मिलता है कि उनका भविष्य पूरी तरह उनके अपने फैसले पर निर्भर है। अक्टूबर से दिसंबर के बीच रोहित और विराट ने जिस प्रतिबद्धता के साथ क्रिकेट खेला है, उसने यह दिखा दिया है कि खेल अभी भी उनकी प्राथमिकता बना हुआ है। दोनों खिलाड़ियों ने न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को साबित किया है, बल्कि बीसीसीआई की गाइडलाइंस के मुताबिक घरेलू क्रिकेट में भी हिस्सा लिया है। अगर उनके मन में 2027 वर्ल्ड कप का लक्ष्य न होता, तो ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे सीरीज़ खेलने का शायद ही कोई ठोस कारण होता। विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसे मुकाम पर हैं, जहां उन्हें किसी को कुछ साबित करने की ज़रूरत नहीं है। ऐसे में केवल औपचारिक वनडे मुकाबले खेलने का कोई अर्थ नहीं बनता, जब तक कि आगे कोई बड़ा लक्ष्य न हो।

फिलहाल दोनों का फॉर्म और फिटनेस उनकी सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है। रोहित शर्मा पहले से कहीं ज्यादा फिट दिख रहे हैं, जबकि विराट कोहली की फिटनेस हमेशा से ही उनकी पहचान रही है। अहम बात यह है कि दोनों रन बना रहे हैं, बड़े स्कोर खड़े कर रहे हैं और मैच पर अपनी पकड़ दिखा रहे हैं। आत्मविश्वास और अनुभव के इस मेल ने उन्हें एक बार फिर भारतीय वनडे टीम का मजबूत स्तंभ बना दिया है। अब सवाल सिर्फ इतना है कि क्या वे 50 ओवर के फॉर्मेट में आगे भी खेलना चाहते हैं और क्या 2027 वर्ल्ड कप को आखिरी बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं। विराट कोहली 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीत चुके हैं, लेकिन रोहित शर्मा के शानदार करियर में यह ट्रॉफी अब तक नहीं जुड़ पाई है। ऐसे में 2027 का वर्ल्ड कप रोहित के लिए एक परफेक्ट फिनाले साबित हो सकता है। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का भी मानना है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अनुभव और क्लास की जरूरत होगी, जो विराट और रोहित दोनों के पास भरपूर है।

यह भी हकीकत है कि वर्ल्ड कप से ठीक एक साल पहले टीम में बड़े बदलाव करना आसान नहीं होता। इसी वजह से तमाम संकेत यही इशारा कर रहे हैं कि विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 वर्ल्ड कप में भारतीय जर्सी में नजर आ सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह टूर्नामेंट भारतीय क्रिकेट के लिए किसी मेगा ब्लॉकबस्टर से कम नहीं होगा। फिलहाल, क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे बेहतर यही है कि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ इन दोनों दिग्गजों की बल्लेबाज़ी का भरपूर आनंद लें।

मेदवेदेव ने मिशेलसेन को हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बनायी

ब्रिस्बेन। रुस के टेनिस स्टार दानिल मेदवेदेव ने अमेरिका के एलेक्स मिशेलसेन को 6-4, 6-2 से हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में पवेश किया है। मेदवेदेव को हालांकि जीत के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। इसी के साथ ही मेदवेदव ने अपने करियर में 41वें टूर-लेवल फाइनल में जगह बनायी है। मेदवेदेव ने एलेक्स के खिलाफ मुकाबले में हालांकि 27 गलतियां कीं पर उन्होंने दूसरे सेट में सभी चार ब्रेक अंकों को बचा लिया। इसी के साथ ही उन्होंने सबसे ज़्यादा फाइनल खेलने वाले अलेक्जेंडर ज़्वेरेव की बराबरी की। रुसी खिलाड़ी ने इस पर खुशी जतायी कि वह कई अवसरों पर एलेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे। साथ ही कहा कि इसी कारण उन्हें जीत मिली। अब उनका मुकाबल फाइनल में अमेरिका के ही ब्रैंडन नाकाशिमा से होगा। इससे पहले नाकाशिमा ने एक अन्य मुकाबले में अलेक्जेंडर कोवासेविच को 7-6(4), 6-4 से हराकर अपने चौथे एटीपी टूर के फाइनल में स्थान बनाया। साल 2022 में सैन डिएगो में अपने घर पर पहला खिताब जीतने के बाद यह उनका पहला फाइनल है। इस सप्ताह ब्रिस्बेन में अपने चार मैचों में वह एक भी सेट नहीं हारे है जिससे उनका मुकाबला फाइनल के लिए बढ़ा हुआ है।

सोशल मीडिया को सिर्फ फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। खास बात है कि वह इस प्लेटफॉर्म को केवल अपनी फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं। उनके लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वह लोगों को प्रेरित कर सकती हैं, जागरूकता फैला सकती हैं और दूसरों की जिंदगी में खुशी ला सकती हैं। खास बातचीत में अदा ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की। अदा से जब पूछा गया कि आज के समय में वह सोशल मीडिया को कितना महत्व देती हैं तो उन्होंने बताया, मेरे लिए सोशल मीडिया का मतलब सिर्फ फिल्मों या प्रोजेक्ट्स का प्रमोशन नहीं है। यह एक एक ऐसी जगह है, जहां कई सकारात्मक काम किए जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, मैं हाथियों के कल्याण के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हूं। अदा ने सोशल मीडिया के महत्व पर एक उदाहरण देते हुए बताया, हाथी बाहर से बहुत बड़े और मजबूत लगते हैं, लेकिन जब इंसान उन्हें कैद में रखते हैं, जैसे सर्कस में, तो उनकी हालत बहुत बुरी हो जाती है। सर्कस में हाथियों की पीठ पर भारी वजन रखा जाता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट जाती है। उन्हें पीटा जाता है और वे दर्द में भी चुप रहते हैं क्योंकि बोल नहीं सकते। मैंने कई वीडियो पोस्ट किए, जिसे देखकर कई लोगों ने बताया कि उन्हें पहले नहीं पता था कि हाथी की सवारी करना गलत है। सर्कस में हाथियों की स्थिति देखकर दिल टूट जाता है। इतने बड़े जानवर को इंसान घुटनों के बल ला देते हैं। मैं सोशल मीडिया के जरिए ऐसी चीजों को उजागर करती हूं। उन्होंने बताया, इसके अलावा, मैं स्ट्रीट डॉग्स के एडॉप्शन को बढ़ावा देने और प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने की भी अपील सोशल मीडिया के जरिए करती हूं। इसके परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। मैं शाकाहारी हूं और अपने नाश्ते या खाने की तस्वीरें डालती हूं, सच बताऊं तो इससे कई लोग प्रेरित होकर शाकाहारी बन चुके हैं। शाकाहारी भोजन में भी भरपूर प्रोटीन होता है। इससे मांसपेशियां, ताकत, स्टैमिना, सुंदरता, अच्छी त्वचा और बाल सब कुछ मिल सकता है। लोग गलत समझते हैं कि मजबूत बनने के लिए केवल मांसाहार जरूरी है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 10 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसलिए अदा मानती हैं कि उन्हें भी कुछ वापस देना चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए वह यही करती हैं। अदा ने बताया, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई तनाव में है। अगर एक वीडियो या पोस्ट से किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाए या किसी का दिन अच्छा बन जाए, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

मां बनने के 5 महीने बाद काम पर लौटीं कियारा आडवाणी

कई एक्ट्रेसेस बनीं मिसाल

मां बनना अपने आप में एक खूबसूरत अहसास है। बॉलीवुड एक्ट्रेसेस भी इस प्यारे अहसास से गुजरती हैं। मां बनने के बाद उनकी जिंदगी खुशियों से भर जाती हैं। लेकिन इस खुशी के बीच वह अपना पैशन, प्रोफेशन दरकिनार नहीं करती हैं। कई एक्ट्रेसेस हैं, जिन्हें अपने काम से इतना प्यार रहा कि वह बच्चे के जन्म के कुछ वक्त बाद ही करियर फ्रंट पर सक्रिय हो गईं।

कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी साल 2025 के जुलाई महीने में एक प्यारी सी बेटी की मां बनी हैं। लगभग पांच महीने के आराम के बाद वह काम पर फोकस कर रही हैं। पिछले दिनों उन्हें पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एक शूट पर देखा गया। वहीं साउथ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से कियारा आडवाणी का लुक भी वायरल हुआ। यह फिल्म जल्द रिलीज होगी, इसमें कियारा ने एक अहम किरदार निभाया है।

शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी भी साल 2012 में एक बेटे की मां बनीं। सबसे पहले तो शिल्पा शेट्टी ने अपनी फिटनेस पर काम किया। साथ ही बेटे के जन्म के कुछ महीने बाद ही वह वर्क फ्रंट पर एक्टिव हो गईं। शिल्पा को डांस रियलिटी शो जज करते हुए देखा गया। शिल्पा ने बाकी महिलाओं को इंस्पायर किया कि वह प्रेग्नेंसी के बाद फिट रह सकती हैं और अपना काम भी अच्छे से कर सकती हैं।

करीना कपूर

करीना कपूर को एक्टिंग से बहुत प्यार रहा है, वह ज्यादा देर तक अपने प्रोफेशन से दूर नहीं रह पाईं। करीना साल 2016 में पहली बार मां बनीं, तैमूर के जन्म के कुछ महीनों बाद ही वह एक्टिव हो गईं। यहां तक की दूसरे बेटे जेह के जन्म के 18 दिन बाद वह काम पर लौट आईं, एड फिल्मों की शूटिंग करने लगी थीं। जेह का जन्म साल 2021 में फरवरी महीने में हुआ था।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट भी करीना कपूर के नक्शे-कदम पर चलीं। एक्ट्रेस ने साल 2022 में बेटी राहा को जन्म दिया। लेकिन प्रेग्नेंसी के बाद लंबा ब्रेक नहीं लिया। आलिया ने अपने पुराने कमिटमेंट मां बनने के बाद जल्द ही पूरे किए। उन्होंने फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के लिए एक गाना रणवीर सिंह के साथ शूट किया।

काजल अग्रवाल

साल 2022 के मई महीने में साउथ और हिंदी फिल्मों की चर्चित एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने भी एक बेटे को जन्म दिया। काजल ने भी प्रेग्नेंसी के दो महीने बाद ही अपनी एक फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी थी। वह तो अपने बच्चे को फिल्म सेट पर भी लाती थीं, जिससे उसकी अच्छे से देखभाल कर सकें।

पर्दे पर फिर लौट रही सैयामी खेर और गुलशन देवैया की जोड़ी

बॉलीवुड में कुछ कलाकारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को इतनी पसंद आती है कि वे पर्दे पर उस जोड़ी को फिर से देखने के लिए उत्साहित रहते हैं। सैयामी खेर और गुलशन देवैया की जोड़ी कुछ ऐसी ही है। दोनों ने पहले अनपॉज्ड और 8 ए.एम. मेट्रो जैसी फिल्मों में साथ काम किया, जिसमें उनके बीच की कमेस्ट्री दर्शकों को बहुत पसंद आई। अब यह जोड़ी फिर से एक साथ एक नए प्रोजेक्ट में नजर आने वाली है। एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया कि सैयामी और गुलशन ने हाल ही में इस नए प्रोजेक्ट की शूटिंग पूरी कर ली है। उनकी जोड़ी को दोबारा स्क्रीन पर देखना दर्शकों के लिए हमेशा सुखद अनुभव रहा है। हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि यह नया प्रोजेक्ट फिल्म है या वेब सीरीज, लेकिन इस जोड़ी को देखने के लिए फैंस काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सूत्र ने बताया कि इस नए प्रोजेक्ट की सभी जानकारी सीक्रेट रखी गई है, जिनका जल्द ही खुलासा हो सकता है। सैयामी खेर इन दिनों अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ फिल्म हैवान में नजर आने वाली है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शरीब हाशमी भी अहम किरदार में हैं। फिल्म की शूटिंग कोच्चि, ऊटी और मुंबई जैसे शहरों में हुई। वहीं गुलशन देवैया भी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज परफेक्ट फैमिली की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस सीरीज में उन्होंने विष्णु नाम के एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाया है, जो एक परफेक्ट दिखने वाले परिवार का हिस्सा है। ये परिवार बाहर से खुश है, लेकिन अंदर से टूटा हुआ है। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया। इसमें गुलशन देवैया के अलावा, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और नेहा धूपिया भी हैं। यह सीरीज 27 नवंबर को यूट्यूब चैनल जार सीरीज पर रिलीज हुई।

चित्रांगदा सिंह ने साझा किया द बैटल ऑफ गलवान का खास अनुभव

फिल्मों की दुनिया में कई बार कुछ मौके अचानक ही मिल जाते हैं, जिनकी उम्मीद नहीं होती। ऐसे ही एक खास मौके ने अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को नया अनुभव दिया। इन दिनों चित्रांगदा सलमान खान की द बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। आईएएनएस से बात करते हुए चित्रांगदा ने अपने अनुभव के बारे में कहा, जब निर्देशक अपूर्व लाखिया ने मुझे इस फिल्म के लिए कॉल किया, तो मेरा पहला रिएक्शन यही था, सच में? मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि मुझे सलमान खान के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मैंने न तो कभी सलमान से काम के लिए बात की और न ही कभी इसकी कोशिश की। यह मौका मेरे लिए पूरी तरह से आश्चर्यजनक और रोमांचक रहा। फिल्म द बैटल ऑफ गलवान की कहानी 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है। 15 जून को नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों को जानमाल का नुकसान हुआ। सीमा के पास फायरआर्म्स का इस्तेमाल न करने के समझौते के कारण, सैनिकों ने लाठियों और पत्थरों का इस्तेमाल करते हुए लड़ाई लड़ी थी। चित्रांगदा ने कहा, मैं सेना की दुनिया को अच्छी तरह समझती हूं, और एक आर्मी मैन की बेटी होने के नाते, यह फिल्म मेरे लिए और भी व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण है। यह फिल्म सिर्फ एक मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील कहानी को लोगों तक पहुंचाने का अवसर भी है। उन्होंने कहा, द बैटल ऑफ गलवान एक महत्वपूर्ण फिल्म है। सेना और देशभक्ति के अनुभव से जुड़ी इस कहानी में काम करना गर्व का पल है। मेरा मानना है कि फिल्म दर्शकों को वास्तविक घटनाओं और सैनिकों के संघर्ष के करीब लाएगी और उन्हें देशभक्ति की भावना से जोड़ने में मदद करेगी। फिल्म में सलमान खान और चित्रागंदा सिंह की जोड़ी नजर आएगी। इसमें सलमान कर्नल बी. संतोष बाबू की भूमिका में नजर आएंगे, जिन्होंने असाधारण साहस के साथ 16 बिहार रेजिमेंट का नेतृत्व किया और मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित हुए थे।बैटल ऑफ गलवान 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रभास-तृप्ति के अलावा इन फिल्मों में पहली बार साथ नजर आएंगे बॉलीवुड-साउथ के सितारे

बॉलीवुड और साउथ के बीच की दीवारें टूट रही हैं। इस साल दर्शकों को नई जोड़ियां, बड़े स्केल की कहानियां और धमाकेदार एंटरटेनमेंट मिलेगा। 2026 सिनेमा के लिए बहुत एक्साइटिंग साल होने वाला है!

स्पिरिट

फिल्म स्पिरिट में साउथ के मेगा सुपरस्टार प्रभास मुख्य भूमिका में हैं, जो एक ब्रूटल लेकिन ईमानदार पुलिस वाले का किरदार निभा रहे हैं। उनके साथ बॉलीवुड की एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी लीड हीरोइन हैं। यह तृप्ति की तेलुगु सिनेमा में डेब्यू फिल्म है। फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा (जिन्होंने एनिमल बनाई थी) कर रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर है। हाल ही में फिल्म स्पिरिट का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसमें प्रभास और तृप्ति का इंटीमेट सीन दिखाया गया है।

रामायण

नितेश तिवारी की रामायण हिंदू महाकाव्य पर

आधारित है। इसमें बॉलीवुड के सुपरस्टार रणबीर कपूर भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं। उनके साथ साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस साई पल्लवी सीता की भूमिका में हैं। फिल्म में साउथ के बड़े स्टार यश (केजीएफ फेम) रावण का रोल कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। यह फिल्म दो पार्ट्स में रिलीज होगी। पहला पार्ट दिवाली 2026 में और दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे।

कार्तिक आर्यन और श्रीलीला

एक्टर कार्तिक आर्यन और साउथ अभिनेत्री श्रीलीला एक फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। एक्ट्रेस श्रीलीला (जो कन्नड़ और तेलुगु फिल्मों में बहुत पॉपुलर हैं) पहली बार हिंदी फिल्म में डेब्यू कर रही हैं। यह एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा है, जिसका निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। पहले फिल्म का नाम आशिकी 3 होने की अफवाहें थीं, तो कही फिल्म का नाम तु मेरी जिंदगी है बताया जा रहा है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से कार्तिक और श्रीलीला की इस फिल्म के नाम की घोषणा नहीं हुई है।

पेड्डी

फिल्म पेड्डी में साउथ के ग्लोबल स्टार राम चरण (आरआरआर फेम) लीड रोल में हैं। उनके साथ बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर हीरोइन हैं। जाह्नवी का यह तेलुगु सिनेमा में दूसरा प्रोजेक्ट है। इस फिल्म से पहले जान्हवी देवरा में नजर आ चुकी हैं। पेड्डी में जान्हवी का किरदार अचियम्मा नाम का है। इस फिल्म का निर्देशन बुची बाबू साना कर रहे हैं। यह 27 मार्च 2026 को दुनिया भर में रिलीज होगी।

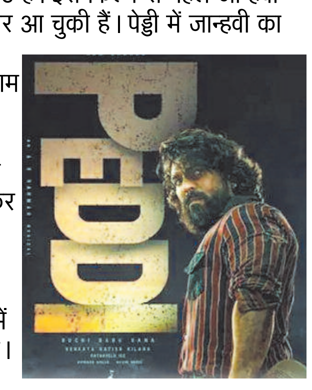

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।